कोटद्वार, शनिवार
18 अप्रैल 2026
वर्षः 49
अंकः 1 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने हरिवंश

- देश में पहली बार मनोनीत सदस्य को मिला यह पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरिवंश नारायण सिंह तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने हैं। उन्हें शुक्रवार को निर्विरोध चुना गया है। विपक्ष की ओर से कोई नाम नहीं आया था। पहली बार किसी मनोनीत सदस्य को राज्यसभा का उपसभापति चुना गया है। हरिवंश के समर्थन में राज्यसभा सचिवालय को पांच प्रस्ताव मिले। सदन के नेता जेपी नड्डा ने पहला प्रस्ताव रखा, जबकि दूसरा प्रस्ताव नितिन नवीन ने दिया। पीएम मोदी ने कहा कि लगातार तीसरी बार उपसभापति चुना जाना इस बात

का प्रमाण है कि सदन को आप पर गहरा भरोसा है। बीते समय में आपके अनुभव का सदन को लाभ मिला है। आपने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। हरिवंश का पिछला कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हुआ था। उनकी पार्टी जेडीयू ने इस बार नाम नहीं दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने उनका मनोनयन किया। पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के रिटायर होने के बाद सीट खाली हुई थी। इसे भरने के लिए हरिवंश को चुना गया। वे 2032 तक राज्यसभा में रहेंगे। दरअसल, राज्यसभा में 12 सदस्य मनोनीत होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति तय करते हैं। इन्हें कला, साहित्य, विज्ञान और समाज सेवा में विशेष योगदान के आधार पर चुना जाता है।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोला कमर्शियल जहाज गुजर सकेंगे

- ट्रम्प बोले-शुक्रिया, भारत ने ईरान से 2,358 लोगों को निकाला

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने सीजफायर के दौरान होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खोल दिया है। विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सभी कमर्शियल जहाजों को गुजरने की इजाजत होगी। यह फैसला लेबनान में सीजफायर के बाद लिया गया है। उन्होंने बताया कि जहाज एक सुरक्षित रास्ते से गुजरेंगे, जिसे ईरान के पोर्ट्स और मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने पहले से तय कर रखा है, ताकि सफर के दौरान कोई

खतरा न हो। अराघची ने कहा कि इस दौरान जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि समुद्री व्यापार प्रभावित न हो। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर ईरान को शुक्रिया कहा है। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खुल गया है। इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया है कि भारत ने अब तक ईरान से 2,358 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। इन लोगों को ईरान से निकालकर आर्मेनिया और अजरबैजान पहुंचाया, जहां से उनकी भारत वापसी कराई जा रही है।

सबरीमाला में महिलाओं की एंट्री पर 'सुप्रीम' सुनवाई

याचिकाकर्ता बोला-आस्था और विश्वास समय के साथ बदलते हैं, इन्हें कानून से नहीं बदल सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 5वें दिन की सुनवाई जारी है। याचिकाकर्ता की तरफ से एडवोकेट राजीव धवन ने कोर्ट से कहा कि आस्था या विश्वास समय के साथ हमेशा बदलते रहते हैं। यह बदलाव सिर्फ किसी कानून के बन जाने से नहीं आता; बल्कि यह बदलाव तो लोगों के बीच से ही उभरकर आता है। इससे पहले 9 जजों की बेंच ने 15 अप्रैल की सुनवाई में कहा था कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। वहीं मंदिर प्रशासन त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने कहा कि सबरीमाला कोई खिलौने की दुकान या रेस्टोरेंट का मामला नहीं है। यहां के देवता ब्रह्मचारी हैं। भारत में अयप्पा के लगभग 1,000 मंदिर हैं। अगर महिलाओं को दर्शन करना है, तो वहां जाएं। उन्हें इसी खास मंदिर में क्यों आना है। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50 साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया। फैसले के खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं लगाई गईं, जिसपर अब सुनवाई हो रही है। मंदिर प्रशासन महिलाओं की एंट्री का विरोध कर रहा है।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

2023 का महिला आरक्षण कानून हो गया लागू

आधी रात को नोटिफिकेशन जारी, विपक्ष हमलावर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को 16 अप्रैल 2026 से लागू कर दिया है। संसद में गुरुवार से ही इसके संशोधन पर 3 दिनों के लिए बहस शुरू हुई। इस बीच, आधी रात को मूल कानून लागू करने का नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसका मतलब यह है कि महिला आरक्षण के जिस कानून में संशोधन की बात की जा रही है, वह लागू ही नहीं हुआ था।

सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, कानून में संशोधन तभी हो सकता है जब वह लागू हो चुका हो। अचानक सरकारी नोटिफिकेशन की यही वजह है। हालांकि, कानून लागू होने के बावजूद संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण तुरंत नहीं मिलेगा। पुराने कानून के मुताबिक, यह 2027 की जनगणना और उसके आधार पर होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू किया जा सकेगा। इस बीच विपक्ष ने सवाल उठाया है कि जब महिला आरक्षण कानून लागू ही नहीं था तो इसमें संशोधन का बिल कैसे ले आई।

2023 में कानून बना लेकिन लागू नहीं हुआ था

महिला आरक्षण बिल को 2023 में लोकसभा और राज्यसभा में पास किया गया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने भी मंजूरी दे दी लेकिन इसके बावजूद यह कानून संविधान का हिस्सा नहीं बना था। क्योंकि कोई कानून तब तक लागू नहीं माना जाता जब तक सरकार राजपत्र में उसको लागू करने की तारीख अधिसूचित न कर दे।

सरकार के पास क्या विकल्प बचेंगे

मोदी सरकार लोकसभा में बिल पर वोटिंग करा सकती है, अगर बिल गिर जाता है, तो सरकार इसका ठीकरा विपक्ष पर फोड़ सकती है। विपक्ष के साथ आम सहमति बना सकती है। विधेयकों को संसदीय स्थायी समिति के पास भेज सकती है। सरकार इससे पहले वन नेशन, वक्फ बिल और वन इलेक्शन बिल को भी संसदीय समिति के भेज चुकी है। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू बोले– सरकार ने महिला आरक्षण कानून में बदलाव (संशोधन) करने की तैयारी कर रही है। जो पुराना कानून है, वह अभी तक लागू नहीं हुआ था। अब सरकार ने नोटिफिकेशन जारी किया है, ताकि उस कानून को लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। फिर उसका संशोधन हो पाए। कल्याण बनर्जी ने कहा– केंद्र सरकार महिला आरक्षण में संशोधन से जुड़ा बिल लेकर आई है। लेकिन जब कानून लागू नहीं हुआ तो उसमें कैसा संशोधन। इसीलिए देर रात में इन्होंने 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए नोटिफिकेशन जारी किया।

संभल में 35 मीटर ऊंची मस्जिद की मीनार ध्वस्त

मदरसा और दुकानों को भी बुलडोजर से गिराया गया

संभल (एजेंसी)। संभल में मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे गिरा दी गई। अब बुलडोजर मस्जिद के बाकी हिस्सों को तोड़ रहा है। इससे पहले, सुबह साढ़े 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक मस्जिद के बाहर की पांच दुकानों को तोड़ा गया। मस्जिद की मीनार तोड़ने के लिए प्रशासन ने दो हाइड्रा मशीनें बुलाईं। एक मजदूर मीनार पर चढ़कर रस्सी को बांधा, फिर उसके दूसरे सिरे को दोनों हाइड्रा मशीनों से बांधा। इसके बाद मशीनों से खींचकर मीनार को गिरा दिया। मामला मुबारकपुर बंद गांव का है। प्रशासन के मुताबिक, 15 साल पहले सरकारी जमीन

पर मस्जिद का निर्माण कराया गया था। फिलहाल, डीएम राजेंद्र पेंसिया और एसपी केके बिश्नोई समेत 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी मौके पर हैं। गांव वाले जुटने लगे तो विरोध की आशंका को देखते हुए पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। 12 दिन पहले, यानी 5 अप्रैल को मस्जिद पर कार्रवाई होनी थी, लेकिन उस समय बुलडोजर चालक ने मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार तोड़ने से मना कर दिया था। तर्क दिया था कि मीनार बुलडोजर के ऊपर गिर सकती है।हालांकि उस दिन मदरसा, पांच दुकानें और मस्जिद का गेट तोड़ दिया गया था। दुकानों का करीब 20 फीसदी हिस्सा बच गया था, जिसे आज गिराया गया। दो ग्रामीण अपने मकान खुद तोड़ रहे मुबारकपुर बंद गांव गुलाम रसूल और आसमा के मकानों के कुछ हिस्से सरकारी जमीन पर बने हैं। प्रशासन ने दोनों से खुद ही कब्जा हटाने को कहा है। इसके बाद आसमा ने घर के आगे बने हिस्से को और गुलाम ने घर के गेट को छैनी-हथौड़ी से तोड़ना शुरू कर दिया है। गुलाम ने कहा- अब क्या कहें साहब..यह जमीन प्रधान के चाचा से 30 हजार में खरीदी थी, हमें कोई जानकारी नहीं थी कि यह ग्राम समाज की जमीन है।

यूपी में अंबेडकर के पोस्टर झंडे जलाने पर बवाल

- डीएसपी का सिर फटा, वाराणसी में सड़क की जाम

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में अंबेडकर के झंडे-पोस्टर जलाने और हटाने को लेकर शुक्रवार को बवाल हो गया। दलित समाज के लोगों ने बाबतपुर-चौबेपुर मार्ग पर जाम लगा दिया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिस टीम पर भी पथराव कर दिया। इसमें एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना का सिर फट गया,

जबकि चोलापुर थाने के दो दरोगा भी घायल हो गए। पूरा मामला अंबेडकर जयंती से जुड़ा है। चोलापुर थाना क्षेत्र के नेहिया गांव में उस दिन दलित समाज के लोगों ने झंडे-पोस्टर लगाए थे। इन्हें कुछ लोगों ने फाड़कर जला दिया। इस घटना को लेकर दलित और दूसरा पक्ष आपस में भिड़ गए।

नहीं पास हो सका महिला आरक्षण बिल

विपक्ष ने नहीं दिया साथ, पक्ष में 298, विपक्ष में 230 वोट पड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण बिल से जुड़ा संविधान संशोधन बिल संसद में गिर गया। बिल के पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 वोट पड़े। लोकसभा में 489 सांसदों ने वोट डाले। बिलों को पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। 489 का दो तिहाई 326 होता है। इस तरह बहुमत नहीं मिलने से ये बिल पास 54 वोट से गिर गया। 11 साल के शासन में यह पहला मौका जब मोदी सरकार सदन में कोई बिल पास नहीं करा पाई। इससे पहले अमित शाह ने एक घंटा स्पीच दी थी। कहा था कि अगर ये बिल पास नहीं होते हैं तो इसकी जिम्मेदारी विपक्ष की होगी। विपक्ष अगर वोट नहीं देगा तो बिल गिर जाएगा। देश की महिलाएं देख रही हैं

कि उनकी राह का रोड़ा कौन है। सरकार ने कहा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के कार्यान्वयन में तेजी लाना है। मंगलवार को केंद्र सरकार ने सांसदों के बीच ड्राफ्ट बिल बांटे। ये बिल महिलाओं के लिए आरक्षण कानून 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लागू करने और नए सिरे से परिसीमन करने से जुड़े हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल पर बहस का जवाब देते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी ने अब तक एक भी ओबीसी का प्रधानमंत्री नहीं दिया, भाजपा ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया, अति पिछड़ा समाज के व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनाया।

एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने अडाणी

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर की लिस्ट में मुकेश अंबानी को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स में उनकी नेटवर्थ 92.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.59 लाख करोड़ रुपए हो गई है। अभी तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर शख्स थे। उनकी नेटवर्थ 90.8 अरब डॉलर यानी करीब 8.42 लाख करोड़ है। गौतम अडाणीः इस साल इनकी नेटवर्त में 8.1 अरब डॉलर यानी 75.11 हजार करोड़ रुपए बढ़ी है। अडाणी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी ने इनकी नेटवर्थ को बूस्ट दिया है।

एक दिन में अडाणी की नेटवर्थ 33 हजार करोड़ बढ़ी

एक दिन में गौतम अडाणी की नेटवर्थ 3.56 अरब डॉलर यानी 33.01 हजार करोड़ रुपए बढ़ी है। इसी उछाल ने उन्हें मुकेश अंबानी से आगे निकलने में मदद की। हालांकि, अंबानी की नेटवर्थ में भी 7.67 करोड़ डॉलर यानी 712 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई, लेकिन यह अडाणी की रफ्तार के सामने कम रही।

इलॉन मस्क दुनिया में सबसे अमीर व्यक्ति

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की लिस्ट में इलॉन मस्क 656 अरब डॉलर यानी करीब 60 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। उनके बाद लैरी पेज दूसरे और जेफ बेजोस तीसरे नंबर पर हैं। हालांकि कोई भी भारतीय टॉप टेन में शामिल नहीं है। यह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की नेटवर्थ को ट्रैक करने वाला एक डेली इंडेक्स है। इसमें न्यूयॉर्क में हर कारोबारी दिन की समाप्ति पर आंकड़े अपडेट किए जाते हैं। नेटवर्थ की गणना कंपनियों के स्टॉक की कीमत और अन्य सार्वजनिक होल्डिंग्स के आधार पर की जाती है।

आरक्षण सिर्फ मुखौटा, 'परिसीमन' का है खेल

- डिंपल यादव ने पीएम मोदी की 'गारंटी' पर भी कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित विधेयकों पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने परिसीमन विधेयक का विरोध किया। उन्होंने बीजेपी पर आरोप आरोप लगाया कि बीजेपी महिला आरक्षण का

मुखौटा पहनकर परिसीमन के जरिये खुद को सशक्त बनाना चाहती है। डिंपल ने सवाल उठाया कि सरकार ने अब तक जनगणना क्यों नहीं कराई और अब अचानक जल्दबाजी क्यों दिखा रही है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर किया हमला तो मचा बवाल

बालाकोट, नोटबंदी और सिंदूर का जादूगर पकड़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर एक ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी, जिसपर सत्ता पक्ष बहुत भड़क गया। राहुल गांधी ने अपने बचपन में जादूगर की एक कहानी सुनाते-सुनाते पीएम मोदी पर आपत्तिजनक बात कह दी कि स्पीकर ओम बिरला को उसे सदन की कार्यवाही से हटाना पड़ा।

राहुल गांधी ने पहले तो दावा किया कि बीजेपी को पता है कि वह इस बिल को पास नहीं करवा सकती। उन्होंनें कहा, बीजेपी को पता था, कि वास्तव में बिल पास नहीं कराया जा सकता। वे जानते थे।

बीजेपी का रियेक्शन प्रधानमंत्री की वजह से था

उन्होंने आगे कहा कि यह पैनिक रियेक्शन प्रधानमंत्री के कारण था, जिन्हें किसी भी कीमत पर दो संदेश देना था। पहला, उन्हें भारत का चुनावी नक्शा बदलना था। और दूसरा, वह फिर से यह संदेश देना चाहते थे कि वे महिलाओं के पक्ष में हैं। इस पर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने फौरन प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए आपत्ति जताया। उन्होंने कहा, बार-बार हमने राहुल गांधी से आग्रह किया, ये बिल्कुल भी तरीका नहीं है। आप बोलिए, लेकिन जिम्मेदारी से बोलिए...।

लंबित शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए :सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाइन–1905 पर 30 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों को फोर्स क्लोज करने के मामलों में जिलाधिकारी, विभागाध्यक्ष या संबंधित सचिव की संस्तुति के बिना किसी भी स्तर पर फोर्स क्लोज की कार्रवाई न की जाए। शुक्रवार को सचिवालय में सीएम हेल्पलाइन–1905 की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ये निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना पर्याप्त कार्यवाही किए यदि कोई अधिकारी शिकायत को फोर्स क्लोज करता है, तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन–1905 केवल एक दूरभाष संख्या नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं और विश्वास का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हेल्पलाइन पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निस्तारण शिकायतकर्ता की पूर्ण संतुष्टि सुनिश्चित होने तक किया जाए। उन्होंने शासन के अधिकारियों, विभागाध्यक्षों तथा सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित शिकायतों की नियमित समीक्षा बैठक आयोजित कर उनके शीघ्र समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों को मुख्यमंत्री कार्यालय में प्राप्त प्रत्यक्ष शिकायत की तरह गंभीरता से लिया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिलाधिकारी स्तर पर प्रत्येक सप्ताह तथा विभागीय सचिव स्तर पर प्रत्येक माह में कम से कम दो बार शिकायतों की समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की सफलता का वास्तविक आकलन तभी संभव है, जब शिकायतकर्ता यह अनुभव करें कि सरकार ने उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध और प्रभावी समाधान प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद स्थापित कर उनका फीडबैक प्राप्त किया जाए तथा उच्च स्तर पर शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री (सीएम) हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये ए.आई. डेटा संचालन एवं शिकायत प्रबन्धन पर ध्यान दिया जा रहा है। इसमें शिकायतों का पूर्वानुमान एवं हॉट स्पॉट की पहचान कर प्राथमिकता के साथ मजबूत समाधान एवं निगरानी प्रणाली को विकसित करने में मदद मिली है। ए.आई. आधारित प्रक्रिया से विभिन्न मौसमों के अनुरूप प्राप्त होने वाली शिकायतों के त्वरित समाधान में मदद मिल रही है। ग्रीष्म कालीन शिकायतों में प्रमुख रूप से पेयजल, ऊर्जा, शहरी विकास एवं गृह विभाग से शिकायतें शामिल रही हैं, जिनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया गया है। सी.एम. हेल्प लाइन के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ने के साथ कॉल वॉल्यूम में वृद्धि के साथ समाधान की राह भी प्रशस्त हुई है। सी.एम. हेल्प लाइन में जनपद वार जन शिकायतों के विश्लेषण से स्पष्ट हुआ है कि देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में अधिक शिकायतें दर्ज हुई हैं, जबकि उत्तरकाशी और चम्पावत बेहत्तर प्रदर्शन करने वाले जिलों में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग की मास्टर प्लान पुस्तिका का किया विमोचन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार की गई आगामी 05 वर्षों (2026 – 2031) के कार्यों से संबंधित मास्टर प्लान पुस्तिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा आगामी 05 वर्षों के विजन पर आधारित मास्टर प्लान पुस्तिका का विमोचन किया जाना सराहनीय पहल है। यह पुस्तिका राज्य में बुनियादी ढांचे को विकसित करने, सशक्त और सुरक्षित, भविष्य को सुनिश्चित करने का मार्ग है। उन्होंने कहा राज्य में विकास की संभावनाओं एवं विकसित भारत 2047 के संकल्पों को पूरा करने में यह मास्टर प्लान पुस्तिका अहम भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्य तेजी से गए बढ़े हैं। बीते सालों में राज्य में व्यापक स्तर पर सड़कों का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा राज्य सरकार बुनियादी ढांचे के विकास में नवाचार को प्राथमिकता दे रही है। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा हमारा संकल्प है कि राज्य को तय लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ाया जाए और विजन के साथ विकास किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा उत्तराखंड राज्य, पर्यटन हब के रूप में उभर रहा है, ऐसे में पर्यटकों की आवश्यकताओं को देखते हुए हम विकास कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। राज्य में टेक्नोलॉजी एवं इनोवेशन के माध्यम से इंफ्रास्ट्रक्चर को नई दिशा दी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

टनकपुर रोडवेज डिपो में वित्तीय अनियमितता का आरोप

देहरादून। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ने टनकपुर डिपो में व्याप्त भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रबंध निदेशक को भेजे पत्र में परिषद ने सहायक महाप्रबंधक (संचालन) पर निगम को करोड़ों रुपये की राजस्व हानि पहुंचाने का आरोप लगाया है।महामंत्री दिनेश पंत ने बताया कि डिपो में ऑफ–रोड बसों की संख्या 7 से बढ़कर 24 हो गई है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इन खड़ी बसों का भी लाखों रुपये टैक्स उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में जमा कराया गया। आरोप है कि पूर्णागिरी मेले के दौरान जानबूझकर सरकारी बसों का संचालन रोककर निजी ऑपरेटरों को लाभ पहुंचाया गया। इसके अलावा, कार्यशाला ध्वस्तीकरण की आड़ में निगम की 'डेड स्टॉक' सामग्री को अवैध रूप से बेचने और सक्षम चालक–परिचालकों का दुरुपयोग कर 45 लाख की हानि पहुंचाने का मुद्दा भी उठाया गया है। परिषद ने मामले में तत्काल उच्चस्तरीय जांच और दोषी अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

लक्ष्मण चौक में दूध लेने गए व्यक्ति से मारपीट

देहरादून। लक्ष्मण चौक चौकी क्षेत्र इलाके में दूध लेने गए एक व्यक्ति के साथ मारपीट और गाली–गलौज की गई। पार्क रोड निवासी सतीश कुमार सिंघल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते चार अप्रैल की सुबह करीब सवा आठ बजे वह वर्मा क्वार्टर के पास दूध लेने गए थे। आरोप है कि इसी दौरान वहां मौजूद उनके ही इलाके के अनिल काम्बोज ने उनके साथ अचानक मारपीट शुरू कर दी। आरोपी काफी समय से उनसे रंजिश रखता है। आरोप है कि अनिल ने सतीश को भद्दी गालियां दीं और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। शहर कोतवाल हरिओम राज चौहान ने बताया कि पीड़ित सतीश कुमार की तहरीर के आधार पर आरोपी अनिल काम्बोज के खिलाफ गुरुवार को केस दर्ज कर लिया गया है।

ऊर्जा क्षेत्र में आपदा प्रबंधन में जनसंपर्क की अहम भूमिका

देहरादून। नेशनल पीआर डे कॉन्क्लेव के तहत ऊर्जा क्षेत्र में आपदा प्रबंधन एवं जनसंपर्क की भूमिका पर एक महत्वपूर्ण चर्चा सत्र का आयोजन शुक्रवार को राजपुर रोड स्थित एक होटल में हुआ। यूजेवीएनएल के जनसंपर्क अधिकारी विमल डबराल ने ऊर्जा क्षेत्र में आपदाओं के प्रमुख कारण– प्राकृतिक आपदा, तकनीकी विफलताएं, मानवीय त्रुटियां और सूचना के अभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रभावी संचार तंत्र के अभाव में संकट की गंभीरता ओर बढ़ जाती है। उन्होंने धराली आपदा का उदाहरण देते हुए बताया कि पारदर्शी संवाद, मीडिया समन्वय और संवेदनशील जनसंपर्क के माध्यम से स्थिति को प्रभावी ढंग से संभाला गया। फेक न्यूज़, मिस कम्युनिकेशन और नकारात्मक प्रचार को बड़ी चुनौतियां बताते हुए नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस, त्वरित एवं तथ्यात्मक सूचना प्रसार तथा सोशल मीडिया मॉनिटरिंग पर जोर दिया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों और विद्यार्थियों के बीच संवादात्मक चर्चा हुई। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर नीरज कोटियाल, डॉ. दीपिका रावत सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं और पेशेवरों ने भाग लिया।

उम्र का पुख्ता सुबूत न होने और सहमति से संबंध में दुष्कर्म का आरोपी बरी

देहरादून। पोक्सो अदालत ने अपहरण, दुष्कर्म और एससी–एसटी एक्ट के आरोपों का सामना कर रहे एक युवक को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त करार दिया। पोक्सो कोर्ट की जज रजनी शुक्ला की अदालत ने यह फैसला सुनाया। बचाव पक्ष के अधिवक्ता आशुतोष गुलाटी ने बताया कि पटेलनगर कोतवाली में 28 फरवरी 2019 को एक पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी को राजमिस्त्री का काम करने वाला मलिक चंद भगा ले गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ नाबालिग के अपहरण, दुष्कर्म और एसीएसटी एक्ट के तहत चार्जशीट फाइल की। अदालत ने अपने 18 पेज के निर्णय में स्पष्ट किया कि अभियोजन घटना के समय पीड़िता का नाबालिग होना संदेह से परे साबित करने में नाकाम रहा। आयु निर्धारण को हुए मेडिकल परीक्षण में उम्र 15 से 17 वर्ष बताई गई थी। न्यायालय ने विधि व्यवस्थाओं का हवाला देते हुए माना कि मेडिकल निर्धारण में 1–2 वर्ष का अंतर हो सकता है, जिससे घटना के समय पीड़िता के बालिग होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने पाया कि पीड़िता के बयानों में भी विरोधाभास था।

रेल कर्मचारियों ने मंडल रेल प्रबंधक को बताई समस्याएं

देहरादून। मुरादाबाद में आयोजित दो दिवसीय नार्दन रेलवे मेन्स यूनियन की पहली पीएनएम (स्थाई वार्ता तंत्र) बैठक में देहरादून शाखा ने मंडल रेल प्रबंधक के समक्ष कर्मचारी समस्याओं और स्टेशन के बुनियादी ढांचे को लेकर 12 सूत्रीय मांग पत्र रखा। शाखा सचिव नरेंद्र गुरुंग ने पुरजोर तरीके से मांग उठाई कि देहरादून स्टेशन पर लोको पायलट (गुड्स) की पोस्टिंग की जाए और पैसेंजर ट्रेनों का संचालन स्थानीय पायलटों से ही कराया जाए। इसके अलावा, रेलकर्मियों की सुरक्षा और सुविधा पर जोर देते हुए कांसरों स्टेशन पर फेंसिंग व पेयजल व्यवस्था, और देहरादून स्टेशन पर नए ओवरहेड टैंक के निर्माण की मांग की गई। बैठक में रेल परिसरों में महिला रेलकर्मियों के लिए अलग से टॉयलेट और चेंजिंग रूम बनाने का मुद्दा भी गरमाया।

उत्तराखंड में जनगणना 2027 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में तेजी

देहरादून। उत्तराखंड में जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं जन–जागरूकता गतिविधियों में तेजी लाते हुए राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में एन्यूमरेटर एवं सुपरवाइजर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में नगर पंचायत झबरेड़ा के अंतर्गत चार्ज झबरेड़ा में प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय दिवस अटल उत्कर्ष कन्या इंटर कॉलेज, झबरेड़ा में आयोजित किया गया, जिसमें प्रशिक्षण का संचालन एफटी सौरव कुमार एवं सुनील कुमार पाल द्वारा किया गया। इसी क्रम में बिरोंखाल एवं चौबट्टाखाल में भी एन्यूमरेटर एवं सुपरवाइजर प्रशिक्षण/बैठकों का आयोजन किया गया, जहाँ कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए। नगर पालिका परिषद मंगलौर में जनगणना 2027 प्रशिक्षण का दूसरा दिन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ, जबकि बीएचईएल में प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। जनगणना कार्य को प्रभावी बनाने हेतु स्व–गणना (सेल्फ एनुमेरशन) के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के साथ संवाद भी स्थापित किया गया। इस क्रम में उप निदेशक आर. के. बनवारी द्वारा आकाश-ावाणी एवं दूरदर्शन की संयुक्त निदेशक श्रीमती साक्षी सिंह सहित अन्य अधिकारियों से भेंट कर स्व–गणना को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रसार भारतीझ्रदूरदर्शन के कार्यक्रम प्रमुख अनिल कुमार भट्ट, उप–निदेशक कुलभूषण कुमार, क्लस्टर प्रमुख सुरेश कुमार मीना तथा पीआईबी के सहायक निदेशक संजीव सुन्दरियाल से भी मुलाकात कर स्टाफ एवं आमजन को स्व–गणना के लिए प्रेरित किया गया। इन सभी गतिविधियों के माध्यम से जनगणना 2027 के सफल संचालन हेतु प्रशासनिक समन्वय, प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं जनभागीदारी को सुदृढ़ किया जा रहा है। राज्य सरकार नागरिकों से अपील करती है कि वे स्व–गणना सुविधा का अधिकाधिक उपयोग करें और इस राष्ट्रीय महत्त्व के कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भाजपा ने किया जनजागरण

देहरादून। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को शहर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाया। इस दौरान पदयात्रा, स्कूटी रैली और मानव श्रृंखला जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन, विशेषकर महिलाओं को कानून के प्रावधानों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। परेड ग्राउंड स्थित भाजपा महानगर कार्यालय से महिला एवं युवा मोर्चा के नेतृत्व में अभियान की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के तहत हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर अधिनियम के समर्थन में अपनी सहमति जताई। रैली और पदयात्रा में भारी संख्या में महिलाएं, युवतियां और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत ने कहा कि यह अधिनियम लंबे समय से महिलाओं की मांग रहा है, जिसे केंद्र सरकार ने पूरा किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर–घर जाकर इस कानून की जानकारी पहुंचाएं। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट ने इसे महिलाओं के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करेगा। प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉ. दिव्या नेगी के अनुसार, अभियान में बड़ी संख्या में महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी रही। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश व जिला स्तर के कई पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

पंतनगर वेटरनरी अस्पताल का निरीक्षण, दो पुरानी अल्ट्रासाउंड मशीनें सील

रुद्रपुर। जीबी पंत कृषि व प्रौद्योगिक विवि स्थित वेटरनरी अस्पताल का शुक्रवार को जिला स्तरीय टीम ने निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अल्ट्रासाउंड मशीनों सहित विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया गया। टीम को निरीक्षण में कुल छह पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीनें मिलीं। इनमें से दो मशीनें पुरानी व अनुपयोगी पाई गईं। नियमानुसार इन दोनों मशीनों को सील कर दिया गया, जबकि शेष चार मशीनें पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण में सुचारू रूप से उपयोग में लाई जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान मेडिसिन, सर्जरी और ऑब्स व गायनी विभागों का भी विस्तार से निरीक्षण किया गया। टीम ने अल्ट्रासाउंड मशीनों के उपयोग की प्रक्रिया और पशुओं के उपचार व्यवस्था का अवलोकन किया। यहां वेटरनरी अस्पताल के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रकाश भट्ट, जिला नोडल अधिकारी डॉ. एसपी सिंह, जिला समन्वयक प्रदीप महर, गोपाल आर्य आदि रहे।

चारधाम यात्रा के लिए खुले ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन काउंटर

हरिद्वार। ऋषिकुल मैदान में शुक्रवार को चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन शिविर का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी नवनीत भुल्लर ने शिविर पहुंचकर पहले दिन रजिस्ट्रेशन कराने आए श्रद्धालुओं का तिलक व माला पहनाकर स्वागत किया और उनसे बातचीत कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शुक्रवार को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि यात्रा को सुगम बनाने के लिए रजिस्ट्रेशन केंद्र खोला गया है। प्रत्येक श्रद्धालु को अपना रजिस्ट्रेशन करवाना चाहिए। उन्होंने बताया कि शिविर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वेटिंग एरिया, स्वास्थ्य कैंप, कुर्सियां, पानी, कूलर, पंखे, शौचालय आदि की व्यवस्था भी की गई है। एसएसपी नवनीत भुल्लर ने कहा कि शिविर में श्रद्धालुओं की मदद एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं पर नजर रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती रहेगी।

स्कूल में अग्निशमन विभाग ने कराया मॉक ड्रिल, बच्चों को सिखाए सुरक्षा के गुर

रुद्रपुर(। शांतिपुरी के सत्संग आश्रम स्थित सेंट लामार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अग्निशमन विभाग द्वारा विद्यार्थियों के साथ अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल अभ्यास कराया गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं को आग लगने की स्थिति में सतर्क रहने और सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के तहत अग्निशमन विभाग की टीम ने बच्चों को घबराने के बजाय धैर्यपूर्वक स्थिति का सामना करने और सुरक्षित निकास के तरीकों का प्रशिक्षण दिया। साथ ही विभिन्न प्रकार के अग्निशमन यंत्रों के उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान जैसे ही अलार्म बजा, विद्यार्थियों को कतारबद्ध तरीके से सुरक्षित स्थान तक पहुंचने का अभ्यास कराया गया। इसके अलावा आग के प्रकार और उन्हें बुझाने में उपयोग होने वाले उपकरणों व रसायनों की भी विस्तृत जानकारी दी गई। अग्निशमन टीम ने विद्यार्थियों को फायर ब्रिगेड सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं के टोल–फ्री नंबरों की जानकारी भी दी, ताकि आपात स्थिति में तुरंत सहायता ली जा सके। स्कूल के प्रबंधक प्रमोद कुमार वर्मा एवं प्रधानाचार्य बृजमोहन कुनियाल ने अग्निशमन विभाग की टीम का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के साथ–साथ उन्हें किसी भी आपदा से निपटने के लिए तैयार करते हैं।

शहर में शुरू हुआ व्यापक फागिंग अभियान मेयर ने रवाना किए वाहन

देहरादून। डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर निगम ने फॉगिंग अभियान की शुरुआत की। निगम परिसर में फागिंग के बाद मेयर सौरभ थपलियाल ने इसके लिए वाहन और फागिंग मशीनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शुक्रवार को मेयर सौरभ थपलियाल ने कहा कि शहरवासियों को मच्छर जनित रोगों से सुरक्षित रखने के लिए यह अभियान महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फॉगिंग कार्य सभी वार्डों में नियमित, व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। ताकि किसी भी क्षेत्र में लापरवाही न हो। नगर निगम की कार्ययोजना के तहत शहर के सभी 100 वार्डों में चरणबद्ध तरीके से फॉगिंग कराई जाएगी। इसके लिए टाटा जेनॉन वाहनों, ई–रिक्शा और हैंडहेल्ड मशीनों का उपयोग किया जाएगा, जिससे संकरी गलियों और दुर्गम इलाकों तक भी पहुंच सुनिश्चित हो सके।

अभियान को प्रभावी बनाने के लिए 5 बड़ी फॉगिंग मशीनों और पर्याप्त छोटी मशीनों की व्यवस्था की गई है। साथ ही जलभराव वाले स्थानों, संवेदनशील क्षेत्रों और मच्छरों के प्रजनन स्थलों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम ने नियमित मॉनिटरिंग और सुपरविजन की भी व्यवस्था की है। मेयर ने नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे घरों और आसपास साफ–सफाई रखें, जलभराव न होने दें, कूलर, गमलों और टंकियों का पानी नियमित रूप से बदलें तथा मच्छरों के प्रजनन को रोकने में सहयोग करें।

एम्स ऋषिकेश में आसान हुआ कैंसर का इलाज

ऋषिकेश। घातक बीमारी में शामिल कैंसर अब लाइलाज नहीं है। एम्स ऋषिकेश में आधुनिक उच्च तकनीकों का इस्तेमाल करने से इसका इलाज अब पहले की अपेक्षा आसान हो गया है। एम्स ऋषिकेश में कैंसर की जांच और इलाज की सभी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं मौजूद हैं। इनमें उच्च तकनीक आधारित पेट स्कैन जैसी जांच भी शामिल है। एम्स ऋषिकेश कैंसर मरीजों के इलाज में न केवल विकसित स्वास्थ्य सुविधाओं को उपयोग कर रहा है अपितु यहां कैंसर मरीजों का पूरा रिकार्ड भी रखा जाता है। इसे कैंसर रजिस्ट्री का नाम दिया गया है। हेमेटोलाजी विभाग के हेड प्रो. उत्तम नाथ बताते हैं कि कैंसर के शुरुआती चरण में पता लगाना आधी लड़ाई जीतने जैसा है। उन्होंने बताया कि दो कैंसर कभी एक जैसे नहीं होते। ऐसे में जेनेटिक प्रोफाइलिंग कारगर साबित होती है। इसमें बेहतर और प्रभावी उपचार, कम दुष्प्रभाव और रोग को पूरी तरह से खत्म करने की अधिक संभावना होती है। इसके अलावा विकिरण चिकित्सा, रोबोटिक सर्जरी और इम्यूनोथेरेपी जैसी तकनीकें भी कैंसर के इलाज को आसान बना रही हैं। ये सभी सुविधाएं एम्स ऋषिकेश में उपलब्ध हैं।

उत्तराखंड व गुजरात में यूसीसी पूरी तरह अस्वीकार्य: एआईएमपीएलबी

देहरादून। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने उत्तराखंड और गुजरात में पारित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर सवाल उठाए हैं। बोर्ड ने बताया कि उत्तराखंड के यूसीसी को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा चुकी है और यह चुनावी लाभ के लिए उठाया गया कदम है। शुक्रवार को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) की ओर से प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में बोर्ड के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलयास, एडवोकेट रजिया बेग और लताफत हुसैन ने उत्तराखंड और गुजरात में पारित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को सिरे से खारिज करते हुए राज्य सरकार की नीतियों और पुलिस की कार्यशैली पर चिंता व्यक्त की। नेताओं ने कहा कि यूसीसी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यूसीसी प्रथम दृष्टया संविधान की भावना के विपरीत और भाग–3 में वर्णित नागरिकों के मौलिक व धार्मिक अधिकारों पर सीधा प्रहार बताया गया। बोर्ड का तर्क है कि जब इस कानून से अनुसूचित जनजातियों को बाहर रखा गया है, तो इसे 'समान' (यूनिफार्म) कहना भ्रामक है। यह कानून इस्लामी शरियत जैसे निकाह, तलाक और विरासत के नियमों में सीधा हस्तक्षेप करता है। बोर्ड ने उत्तराखंड में मदरसों की शिक्षा व्यवस्था में सरकारी हस्तक्षेप पर कड़ी आपत्ति जताई। बोर्ड ने दस्तावेजों के अभाव का हवाला देकर ऐतिहासिक मस्जिदों और मजारों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की निंदा की गई।

गोशाला में आग लगने से मवेशी जले

हरिद्वार। हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र के गांव मिस्सरपुर में बीती रात एक डेरी फार्म में आग लगने से चार मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई। डेरी फार्म के मालिक ने आग लगाने का शक जताया है। मौके पर पहुंचे राजस्व लेखपाल व कनखल पुलिस ने डेरी फार्म का निरिक्षण किया। गुरुवार गांव मिस्सरपुर में अक्षय और आकाश की एक डेरी फार्म है। जिसमें गुरुवार बीती रात अचानक आग लगने से चार गाय दूध देने वाली जलकर मौत हो गई। जबकि तीन मवेशी बुरी तरह झुलसकर घायल हो गए है। सूचना पर पहुंची कनखल पुलिस व राजस्व निरक्षक हरविंदर सिंह, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पंकज चौहान द्वारा डेरी फार्म का निरीक्षण किया गया, फार्म में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी चेक की गई।पुलिस हर एंगल से जांच करने में जुटी हुई है। डेरी फार्म के मालिक अक्षय व आकाश ने डेरी में आग लगाने का आरोप लगाया है। राजस्व निरीक्षक हरविंदर सिंह ने बताया डेरी फार्म में आग लगने की सूचना पर जांच की गई है। जिसमे चार दुधारु मवेशियों की मौत हो गई है। जबकि तीन मवेशी बुरी तरह झुलस गए हैं। मुवायजे कि लिए रिपोर्ट तैयार कर उपजिलाधिकारी को प्रेषित की जाएगी। जगजीतपुर चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक ने बताया डेरी फार्म में आग लगने से चार मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई है।

गाड़ी साइड करने के विवाद में युवक पर हमला

देहरादून। बसंत विहार थाना क्षेत्र में गाड़ी साइड करने को लेकर हुए मामूली विवाद में एक युवक पर हमला कर दिया गया। पुलिस को दी गई तहरीर में टीएचडीसी कॉलोनी, परवल निवासी राजेश कुमार (32) ने बताया कि 13 अप्रैल की शाम करीब सात बजे वह अंबीवाला से घर लौट रहे थे। रास्ते में देवीपुर के पास बाइक सवार परवल निवासी रहमान ने उन्हें गाड़ी हटाने के लिए गाली–गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने बुरी तरह मारपीट की। राहगीरों के बीच–बचाव करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर वहां से चला गया। पीड़ित का आरोप है कि आगे परवल पहुंचने पर आरोपी ने फिर से उनका रास्ता रोका दोबारा पीटा और उनकी गाड़ी में भी तोड़फोड़ की। एसओ बसंत विहार अशोक राठौर ने बताया कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

एक नजर

लैंसडौन रेंज के जंगल में भड़की आग

कोटद्वार। लैंसडौन रेंज में बृहस्पतिवार देर रात भीषण आग लगी। आग बुझाने में वन विभाग के अधिकारियों के हाथ–पांव फूले रहे। वहीं, वनाग्नि की घटना होने से फतेहपुर–लैंसडौन मार्ग के निकट बने होटल एवं रिजॉर्ट के लिए खतरा बढ़ गया। बीती रात भानकोट व बिलांशु में वनाग्नि की घटना की सूचना से वनकर्मियों में अफरातफरी मच गई। लैंसडौन वन प्रभाग के तहत लैंसडौन रेंज की भानकोट बीट में भीषण आग लगने से मार्ग से वाहनों की आवाजाही थम गई। सड़क से लगी आग ऊंचाई की ओर तेजी से फैल रही थी। इस दौरान पहाड़ी से पत्थर गिरने के कारण दुर्घटना का भी खतरा काफी बढ़ गया था। वनाग्नि के कारण पर्यटकों के लिए बने होटल और रिजॉर्ट के लिए खतरा बढ़ गया था। क्षेत्र में पानी की कमी से आपात स्थिति में आग पर नियंत्रण करना होटल कारोबारियों के लिए चुनौतीपूर्ण है। कुछ वर्ष पहले बिलांशु मोड़ पर सड़क के निकट बने होटल को चौकीसेरा की ओर से ऊंचाई की ओर बढ़ रही आग से काफी क्षति पहुंची थी। जंगलों में निर्मित होटल, रिजॉर्ट में रहने वाले पर्यटकों के लिए वनाग्नि की घटनाएं खतरे की घंटी बनने लगी है। उप प्रभागीय वनाधिकारी लैंसडौन रजत कपिल ने बताया कि वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए वनकर्मियों को मौके पर भेजा गया था। फायर लाइन बनाकर और सामूहिक प्रयास कर तेजी से फैल रही आग पर नियंत्रण पा लिया गया। इससे आग को सिविल एरिया में फैलने से रोक लिया गया। वहीं, जंगल के आसपास बने होटल व रिजॉर्ट संचालकों को अग्निकांडों से बचाव के लिए संसाधनों को अलर्ट मोड पर रखने और खुद भी जागरूक होने के साथ क्षेत्र में आने वाले लोगों को जागरूक करते रहने की सलाह दी गई।

राशन कार्ड नहीं बनने से परेशान हो रहे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः विधानसभा चौबट्टाखाल के प्रखंड एकेश्वर व पोखड़ा में लंबे समय से नए राशन कार्ड नहीं बन पा रहे हैं। नतीजा, जरूरतमंद लोगों को सरकारी सस्ते गल्ले की योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन से नए राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया सुचारू किए जाने की मांग की है।

पोखड़ा व एकेश्वर प्रखंडों में लंबे समय से नए राशन कार्ड नहीं बन पा रहे है, जिस कारण पात्र लोगों को सस्ते गल्ले की दुकानों से मिलने वाली योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र के लोगों ने नए राशन कार्ड बनवाने के लिए कई बार संबंधित विभाग में आवेदन किए। लेकिन, काफी समय के बाद भी उनके राशन कार्ड नहीं बन पाए हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जब भी वे नए राशन कार्ड बनवाने के लिए जाते हैं, उन्हें बताया जाता है कि आनलाइन प्रक्रिया में तकनीकी खामियां है। कहा कि अभी तक आनलाइन प्रक्रिया की खामियों को दूर न किया जाना क्षेत्र के लोगों के साथ धोखा है।

मिनी सचिवालय के समीप शराब का ठेका खोलने का विरोध

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः मिनी सचिवालय भ्वीट के सामने शराब का ठेका खोले जाने पर जन प्रतिनिधियों ने विरोध जताया। भरपूर व डोबरी न्याय पंचायत की बृहस्पतिवार को बैठक हुई। बैठक के दौरान जिला पंचायत सदस्य पुष्पा रावत की इस मुद्दे पर ब्लॉक प्रमुख विनोद बिष्ट से तीखी बहस हो गई। पुष्पा रावत ने दो टूक कहा कि जब राज्य के सचिवालय या किसी मंत्री के आवास के पास शराब की दुकान नहीं हो सकती तो मिनी सचिवालय की गरिमा को क्यों ताक पर रखा जा रहा है। उन्होंने इस ठेके को तीर्थनगरी की मर्यादा और महिलाओं की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया। बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम प्रधानों ने इसका विरोध किया। जन प्रतिनिधियों ने कहा कि मिनी सचिवालय के ठीक सामने शराब की बिक्री होने से क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। बैठक के बाद इस मामले में जिलाधिकारी टिहरी नीतिका खंडेलवाल को ज्ञापन भी भेजा गया।

अनुराग सिंह रावत बने जिलाध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान श्रीनगर में प्रशिक्षण एवं सेवायोजन मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ जनपद पौड़ी गढ़वाल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नई जिला कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश नौटियाल की देखरेख में हुए चुनाव में अनुराग सिंह रावत को निर्विरोध जिलाध्यक्ष तथा संदीप सिंह चौहान को महामंत्री चुना गया।इन दोनों नामों का प्रस्ताव क्रमशः रवीन्द्र सिंह रावत और अशोक कुमार की ओर से रखा गया जिसे सभी कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष अनुराग रावत के साथ विजयपाल सिंह और निखिल भटनागर सहित अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से कर्मचारियों ने संगठन को मजबूत बनाने और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। इस मौके पर जनपद के सभी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और सेवायोजन कार्यालयों के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों ने ऑनलाइन माध्यम से भागीदारी की।

आज मुखबा से गंगोत्री धाम के लिए रवाना होगी गंगा जी की विग्रह डोली

उत्तरकाशी। आगामी चारधाम यात्रा के आगाज के लिए मां गंगा की भोगमूर्ति विग्रह डोली में शनिवार दोपहर को अभिजीत मुहूर्त गंगोत्री धाम के लिए रवाना होगी। ग्रामीण गंगा को कल्यो (कंडा) और फाफरे का भोग लगाकर विदा करते हैं। गंगा जी की भोगूर्ति विग्रह डोली में शनिवार दोपहर 12.15 बजे अभिजीत मुहूर्त में आर्मी बैंड व ढोल–दमाऊं की अगुवाई में गंगोत्री धाम के लिए रवाना होगी। तीर्थ पुरोहितों और श्रद्धालुओं के साथ गंगा की डोली मुखबा–जांगला के सात किमी के जोखिमभरे मार्ग से होते हुए उसके बाद रात्रि विश्राम के लिए भैरो घाटी पहुंचेगी।

लापरवाह बना सरकारी सिस्टम, दुगड्डा-गुमखाल के मध्य बदहाल पड़ा हाईवे

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सरकारी सिस्टम जनसरोकार को लेकर कितना लापरवाह है, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण दुगड्डा–गुमखाल के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर देखने को मिल रहा है। वर्षाकाल के दौरान जगह-जगह बदहाल हुए राष्ट्रीय राजमार्ग की अब तक सुध नहीं ली गई है। कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग की नींव लगातार खोखली होती जा रही है। ऐसे में हाईवे पर कब बड़ा हादसा हो जाए, कहा नहीं जा सकता।

दुगड्डा-गुमखाल के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन आवागमन करते हैं। लेकिन, 15 किलोमीटर लंबे सफर के दौरान वाहन चालकों की सांसे अटकी रहती हैं। जगह–जगह क्षतिग्रस्त हाईवे सफर करने वालों के लिए चुनौती बनता जा रहा है। देवीखाल से पूर्व हाईवे का हिस्सा वर्षाकाल में ढह गया था। वर्षा काल में मरम्मत कार्य नहीं होने की बात कहते हुए सरकारी सिस्टम ने उक्त स्थान पर मिट्टी के टीले लगाते हुए बचे हुए हिस्से से आवागमन शुरु करवाया। लेकिन, वर्तमान में वर्षाकाल को थमे कई माह हो चुके हैं। बावजूद अब तक सरकारी सिस्टम ने इस हिस्से की मरम्मत नहीं की। जबकि, हाईवे की नींव लगातार खोखली हो रही है। वहीं, मार्ग पर पैराफिट व संकेतक भी नहीं है। ऐसे में वाहन चालकों को आगे आने वाले डेंजर जोन का भी अंदाजा नहीं लग पाता। जबकि, स्थानीय लोग कई बार सरकारी सिस्टम से हाईवे की मरम्मत की मांग उठा चुके हैं। बावजूद सिस्टम लापरवाह बना हुआ है।

बूंगी महोत्सवः लोक गायक मंगलेश डंगवाल के गीतों पर झूमे

आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते लोक गायक मंगलेश डंगवाल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः टबूंगी देवी जनकल्याण विकास समिति हल्दूखाल की ओर से 10वें भव्य दो दिवसीय बूंगी महोत्सव के दूसरे दिन लोक गायक मंगलेश डंगवाल के गीतों पर श्रद्धालु जमकर झूमे। महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक महंत दिलीप रावत एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य नीरज पंत ने संयुक्त रूप से किया। लोक गायक मंगलेश डंगवाल व साथी कलाकारों ने भजनों व देवी जागर की शानदार प्रस्तुतियां दीं। सिल्की बांद..., हे सरबा, मेरी सरबा..., लबरा छोरी..., मेरी छौंदड़ी... आदि गीतों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। इस मौके पर रघुवीर सिंह बिष्ट, धीरेंद्र प्रताप, ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, मनोज रावत, मुन्नी ध्यानी, समिति के अध्यक्ष हर्षवर्धन नेगी, सचिव देवेंद्र रावत, कोषाध्यक्ष चंद्र सिंह रावत, दिनेश चंद्र, धर्मेंद्र नेगी, प्रदीप गुसाईं, सर्वेंद्र सिंह, सुग्रीव, अजय उनियाल आदि मौजूद रहे।

समृद्ध राष्ट्र के लिए संस्कार युक्त नशा मुक्ति युवा विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारःराजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी कोटद्वार में एंट्री ड्रग सेल एवं स्वीप क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 'समृद्ध राष्ट्र के लिए संस्कार युक्त नशा मुक्त युवा' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । यह प्रतियोगिता कण्व संस्कार शाला कोटद्वार के अंतर्गत आयोजित की गई।

आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो.डी.एस. नेगी प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार, मुख्य वक्ता प्रमुख समाजसेवी श्री सत्यनारायण थपलियाल जी, विशिष्ट वक्ता डू समथिंग समिति के संस्थापक एवं संरक्षक श्री प्रकाशन चंद कोठारी जी, सर्वोदय, आर्य समाज एवं अन्य संस्थाओं से जुड़े सर्वोदय पुरुष श्री सुरेंद्र लाल आर्य जी, दैनिक जयंत के प्रमुख संपादक श्री नागेंद्र उनियाल जी उपस्थित रहे । प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में श्री अजय पाल सिंह रावत जी, श्री राकेश मोहन ध्यानी, तथा डॉ. गीता रावत शाह ने योगदान दिया।महाविद्यालय से कुल 10 छात्र/ छात्राओं ने भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जिनमें कुमकुम भारद्वाज बी.एस.सी द्वितीय सेमेस्टर ने प्रथम स्थान शिखा नेगी बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर ने द्वितीय स्थान, हिमांशु नौटियाल बी.कॉम. षष्ठम सेमेस्टर ने तृतीय स्थान तथा गरिमा बी.कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया । इन सभी छात्र/ छात्राओं का चयन मुख्य प्रतियोगिता हेतु किया गया जो को कोटद्वार में आयोजित की जाएगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हरिश्चंद्र जी ने सभी युवाओं से नशा मुक्त तथा संस्कार युक्त समाज का निर्माण करने के लिए कहा तथा प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र/छात्राओं को आशीर्वाद दिया तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, प्राध्यापकों तथा छात्र छात्राओं को नशा मुक्त संस्कार युक्त होने के लिए प्रतिज्ञा भी दिलवाई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. डी. एस. नेगी जी ने नशे को नाश का आधार बताया तथा स्वस्थ समाज के लिए संस्कार युक्त नशा मुक्त उत्तराखंड का निर्माण करने के लिए आह्वान किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री सत्य प्रकाश थपलियाल जी ने युवाओं को नशे से दूर रहते हुए संस्कारों को अपनाने का विचार साझा किया । विशिष्ट वक्ता श्री प्रकाश चन्द कोठारी जी ने अपने गढ़वाली गीत के माध्यम से छात्र/छात्राओं को नशा नहीं करने के लिए प्रेरित किया । श्री सुरेन्द्र लाल आर्य जी ने नशे को सेहत का दुश्मन बताते हुए नशे से दूर रहने का आह्वान किया । श्री नागेंद्र उनियाल जी ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से सभी से नशे से दूर रहने की अपील की । स्वीप क्लब की संयोजिका डॉ कविता अहलावत ने भाषण प्रतियोगिता तथा स्वीप क्लब पर अपने विचार प्रेषित किए। महाविद्यालय के एंटी ड्रग सेल के संयोजक डॉ. दिवाकर बौद्ध जी ने गढ़वाली गजल गाकर सभी के मन को मोह लिया । श्री राकेश मोहन ध्यान जी ने भी इस अवसर पर एक लोक जीत का मंचन किया जिसको सभी ने सराहा । कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डॉ अनुराग शर्मा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में श्री सत्य नारायण नौटियाल, श्री आर.सी. पंत, श्री विनय रावत, श्री मति मंजू रावत, डॉ. हीरा सिंह डुंगरियाल, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अशोक कुमार मित्तल, डॉ. विमल कुकरेती, डॉ. गीता रावत शाह, डॉ. दिवाकर बौद्ध, डॉ. अनुराग शर्मा, डॉ. उषा सिंह, डॉ. कविता अहलावत, डॉ. दीप्ति मैठाणी, डॉ. गीता, श्री मति आकांक्षा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री भरत सिंह रावत जी, श्री भारत सिंह बिष्ट जी, श्री बलवंत सिंह नेगी जी, आशुतोष रावत,सुमन नेगी, रविंद्र गुसाईं तथा अनेक छात्र/छात्रा उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी व कार्यशाला का शुभारंभ

आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ करते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः आर्मी पब्लिक स्कूल, लैंसडाउन में तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का भव्य शुभारंभ हुआ। इस सृजनात्मक आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना है।

कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, वीएसएम (कमांडेंट, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर) एवं श्रीमती रेखा नेगी (अध्यक्षा, फैमिली वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन) द्वारा संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया गया। कार्यशाला के लिए प्रसिद्ध कलाकार एवं साहित्यकार देवेन्द्र नैथानी को संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया है। वे अपनी विशिष्ट शैली में चित्रकला और काव्य के समन्वय के लिए जाने जाते हैं। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थी चित्रों के माध्यम से अपनी भावनाओं को काव्य रूप में अभिव्यक्त करना सीख रहे हैं। पहले दिन चेयरमैन द्वारा विद्यार्थियों के साथ संवाद एवं प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया, जिससे छात्रों में उत्साह और जिज्ञासा का संचार हुआ।

इसके बाद उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों की उत्कृष्ट कृतियों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान चित्र और काव्य के अंतसंबंधों पर विस्तृत एवं प्रेरणादायी परिचर्चा भी प्रस्तुत की, जिसने विद्यार्थियों को नई सृजनात्मक दिशा प्रदान की। इस अवसर पर डिप्टी कमांडेंट कर्नल कुलदीप सिरोही (सेना मेडल), प्रधानाचार्य श्री विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल सहित अन्य गणमान्य अतिथि एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के समग्र एवं बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह आयोजन विद्यालय की नवाचारी और सृजनात्मक शिक्षा दृष्टि का सशक्त उदाहरण है, जो विद्यार्थियों को कला और साहित्य के माध्यम से नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करता है।

मार्ग निर्माण को लेकर लोगों का धरना जारी, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारःलालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों का धरना लगातार जारी है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। उनका कहना है कि इस मार्ग के बनने से न केवल कोटद्वार बल्कि पूरे गढ़वाल क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और देहरादून तक पहुंच आसान होगी।

चिलरखाल में धरना देते हुए लोगों ने सरकार से मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि12 फरवरी को न्यायालय ने मार्ग निर्माण को हरी झंडी दिखाई थी। लेकिन, अब तक मार्ग निर्माण को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई है। जिससे लोगों में रोष बना हुआ है। कहा कि सरकार को लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण पर भी ध्यान देना चाहिए। इस मार्ग के बनने से केवल कोटद्वार ही नहीं, पूरे गढ़वाल क्षेत्र का विकास होगा। कहा कि यह मार्ग कण्वाश्रम के विकास के लिए भी अति महत्वपूर्ण है।

मार्ग बनने के बाद क्षेत्रवासियों को राजधानी देहरादून जाने के लिए उत्तर प्रदेश की सड़क से नहीं जाना पड़ेगा। कहा कि सरकार को मार्ग एलिवेटेड बनाने के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

इस मौके पर रविंद्र सौंद, देवेंद्र रावत, मधुसूदन नेगी, कृपाल सिंह, गणेश रावत, भारत काला, जगदीपक रावत, मोहन जोशी, गोवर्धन काला, नारायण सिंह आदि मौजूद रहे।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में संगीत विभाग के तत्वाधान में संगीत विभाग की विभागीय परिषद की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उदघाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी ने माँ शारदा के चित्र पर दीप प्रजवलित व पुष्प अर्पित कर किया संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ चंद्रप्रभा भारती ने ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया । प्रचार्य ने अपने उदबोदन में छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित कर शुभकामनायें दी । कार्यक्रम में डॉ बीसी शाह ने आपने उद्बोधन छात्र–छात्राओं का मार्गदर्शन किया । डॉ सुषमा थालेड़ी ने शुभकामनायें प्रेसित की डॉ रंजना सिंह ने इस अवसर पर छात्र छात्रों को शुभकामनाएं प्रेषित की निर्णायक मंडल में डॉ श्रदा सिंह पुष्कर चंद्र थे । शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में दीपशिखा ने प्रथम प्रवेश द्वितीय एवं आयुष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । सुगम संगीत में दीपशिखा ने प्रथम स्थान ऋषभ ध्यानी द्वितीय एवं प्रवेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लोकगीत प्रतियोगिता में दीपशिखा ने प्रथम नवीन बिष्ट ने द्वितीय एवं आशा पोखरियाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तदपश्चात विभाग प्रभारी डॉ चंद्र प्रभा भारती ने सभी आँगनतुकों का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम में डॉ. बीसी शाह, डॉ सुषमा थलेड़ी, डॉ रंजना सिंह, डॉ श्रदा सिंह, डॉ हीरा सिंह, अरविन्द दुदपुड़ी, पुष्कर चंद्र, श्रीमती अनीता रावत, तथा छात्र-छात्राएं दीपशिखा, आशा, प्रवेश राहुल शर्मा ,आयुष कुमार , ऋषभ कुणाल, दीक्षा, हर्षित, आरोही, खुशी थापा समीक्षा, प्रियंका, अकाक्षा, नवीन, ऐश्वर्या उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का कुशल संचालन विभाग प्रभारी डॉ चंद्रप्रभा भारती ने किया।

सुनील वार्ड में सुरक्षात्मक कार्य शुरू

चमोली। भू–धंसाव प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षात्मक कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। नृसिंह वार्ड में भूमि स्थिरीकरण का कार्य पहले ही शुरू हो चुका है और अब सुनील वार्ड में भी कार्य शुरू कर दिया गया है। यहां पर राजस्व भूमि पर कार्य किया जा रहा है। नगर क्षेत्र में 2023 में भू–धंसाव शुरू हुआ था जिससे ज्योतिर्मठ नगर के कई आवासीय भवन इसकी जद में आकर जर्जर हो गए थे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का नाम परिवर्तन करवाना चाहता हूं। मेरे पुत्र की जन्मतिथि 26 /11/ 2011 है। मैंने अपने पुत्र अरमान नेगी (ARMAN NEGI) का नाम बदलकर अनुज नेगी (ANUJ NEGI) कर दिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को अनुज नेगी (ANUJ NEGI) के नाम से जाना पहचाना व लिखा पढ़ा जाए तथा जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम अनुज नेगी (ANUJ NEGI) दर्ज कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाए।

दिनेश सिंग पुत्र श्री सुदामा सिंह
निवासी – ग्राम सनेह मल्ली
पो0 कोटडीढाग
पट्टी सनेह तहसील कोटद्वार
जिला पौड़ी गढ़वाल उत्तराखंड
(0499/21)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीपीएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई–टेंडर जिनके बंद होने की तिथि **11.05.2026** है। निम्न टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन **15:30 बजे** तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या, दिनांक	**02-GSU-MB-26-27, 17.04.2026**
कार्य का नाम	Improvement of circulating area, Facade, Parking and platform and Construction of Electrical Sub Station and Parcel Office along With Approach Road at Roorkee station under Dy. CE/GSU/MB
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	11.05.2026, 15:30 Hrs.
अनुमानित लागत (रु.)	6,70,05,238.09
धरोहर राशि (रु.)	13,40,100.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	27.04.2026

सं.: Dy. CE/GSU/MB/Publication-02/26-27 दिनांक: 17.04.2026 1285/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पालतू गोवंश को सड़कों पर निराश्रित छोड़ देना, उत्तराखण्ड गौवंश संरक्षण अधिनियम 2007 एवं उत्तराखण्ड राज्य गौवंश संरक्षण नियमावली-2001 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। ऐसा पाए जाने पर नगर निगम द्वारा संबंधित पशुस्वामी के विरूद्व आर्थिक दण्ड एवं विधिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। अतः नगर क्षेत्र के समस्त पशु स्वामियों को निर्देशित किया जाता है कि अपने पालतू गोवंश को सड़कों, सार्वजनिक स्थलों एवं मार्गो पर खुला न छोड़े। पशुस्वामियों द्वारा जो गौवंश निराश्रित अवस्था में सड़कों पर छोड़ दिये गये हैं उन्हें आगामी दो दिनों के भीतर अपने घरों/निजी स्थानों पुनः आश्रय प्रदान करें।

यदि किसी पशुस्वामी का गौवंश सड़क पर निराश्रित पाया जाता है तो-

उसे नगर निगम द्वारा गौशाला में भिजवाया जाएगा।

संबंधित पशुस्वामी के विरूद्व नियमानुसार विधिक एवं जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी।

गौवंश को वापस दिए जाने हेतु प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

अतः सभी नागरिकों से अनुरोध है कि नगर व्यवस्था, यातायात सुरक्षा एवं जनहित में सहयोग प्रदान करें।

सहायक नगर आयुक्त
नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार।
(0116/61)

संपादकीय

विधेयक पर समर्थन फेल

महिला आरक्षण और परिसीमन संशोधन विधेयक पर सदन में भाजपा की नीति इस बार विपक्ष के आगे ढेर हो गई। केंद्र सरकार के लिए यह एक अजीब स्थिति है क्योंकि वर्ष 2014 के बाद से ही बहुमत की सरकार बनने के कारण सरकार एक तरफ विधेयक लाती रही और उसे पास भी कराती रही, लेकिन इस बार सरकार का दांव पूरी तरह से उल्टा पड़ गया और यह महत्वपूर्ण बिल सदन में वोटिंग के आधार पर पास नहीं हो पाया। यह वाकई भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों के लिए एक बड़ा झटका है जिसने केंद्र सरकार के उसे विजय रथ को लगाम कर दी है जिसमें अब तक वह नए कानून को बिना किसी विरोध के लागू करते आ रहे थे। सदन में असफल होने के बाद अब इस पर राजनीति गरमा चुकी है तथा भाजपा इसे महिलाओं के अधिकारों पर विपक्ष का प्रहार बता रही है तो वहीं कांग्रेस का कहना है कि यह कानून तर्कसंगत नहीं है और महिलाओं के अधिकारों के लिए पूरी तरह कारगर साबित नहीं होता है। संविधान संशोधन विधेयक के तहत 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन के बाद लोकसभा सीटों को 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने का प्रस्ताव था। साथ ही 2029 के आम चुनावों से पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की योजना शामिल थी। इसके अलावा, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए सीटें बढ़ाने का प्रावधान रखा गया था, ताकि आरक्षण को प्रभावी तरीके से लागू किया जा सके। इन दोनों ही विदेशों पर पहले ही सवाल खड़े होने लगे थे और सांसदों की संख्या 850 करने के पीछे तर्क मांगे जा रहे थे, जो कि कहीं ना कहीं न्याय संगत भी है। वहीं दूसरी ओर महिला आरक्षण और परिसीमन संशोधन विधायक पर भी सरकार को उम्मीद थी की आसानी से इस विधायक को वो संख्या के आधार पर इस बार भी पारित करवा लेंगे लेकिन इस बार सदन में जो कुछ हुआ उसने एनडीए के माथे पर चिंता की लकीरें भी पैदा कर दी। लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन संशोधन विधेयक पर कुल 528 सांसदों ने वोट डाला, जिसमें 298 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में और 230 ने विपक्ष में मतदान किया। हालांकि, संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए आवश्यक दो–तिहाई बहुमत यानी 352 वोट प्राप्त नहीं हो सके और आवश्यक समर्थन नहीं मिलने कारण विधेयक पास नहीं हो पाया। क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की सरकार को इस मुद्दे पर एक गहरा झटका लगा है तो अब विपक्ष भी उसके निशाने पर है। सत्तारूढ़ दल का कहना है कि यह महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने से जुड़ा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण विधेयक था, लेकिन सदन में समर्थन नहीं मिला। बीजेपी और सहयोगी दल विधेयक के असफल होने को अब भावनात्मक तौर पर जोड़ने का प्रयास कर रही है और इसे महिलाओं के लिए लागू होने वाले एक बड़े अधिकार से उनको वंचित कर देने के आरोप लगा रही है। निश्चित तौर पर अब कुछ दिन इस मुद्दे पर आप प्रत्यारोपों का दौर चलता रहेगा लेकिन भाजपा के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सदन में अब तक उसका जो एकाधिकार चला आ रहा था उसे पर विपक्ष की सेंध लग चुकी है। बिल असफल होने का यह मुद्दा अब विपक्ष की जीत और सरकार की हार की चर्चाओं के बीच गोते खाता हुआ नजर आएगा।

विश्व धरोहर दिवसः सभ्यता की अमूल्य धरोहरों को बचाने का संकल्प

सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व विरासत दिवस, वर्ल्ड हेरिटेज डे तथा आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस (इंटरनेशनल डे फोर मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स) कहा जाता है। यह दिवस मानवता की साझा सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।वास्तव में, विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स) वे स्थान हैं जिन्हें मानवता के लिए उनके असाधारण सार्वभौमिक महत्व के आधार पर मान्यता दी जाती है और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने हेतु विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाता है। इन स्थलों का संरक्षण यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972 के अंतर्गत किया जाता है, जिसे यूनेस्को सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया गया एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौता माना जाता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्वभर के ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों, पुरातात्विक अवशेषों, प्राकृतिक संपदाओं तथा मानव सभ्यता से जुड़ी अमूल्य विरासतों के संरक्षण के प्रति जनचेतना उत्पन्न करना है। वास्तव में धरोहर केवल पत्थरों से बनी इमारतें नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, परंपरा, कला, ज्ञान, संघर्ष, इतिहास और सामूहिक पहचान की जीवंत प्रतीक हैं।

उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरूआत वर्ष 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा ट्यूनीशिया में आयोजित बैठक में हुई, जहाँ 18 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके बाद वर्ष 1983 में यूनेस्को की 22वीं महासभा ने इसे औपचारिक मान्यता प्रदान की। तभी से प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को यह दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। विश्व धरोहर स्थल विशेष स्थान, भवन, दुर्ग, नगर, वन, पर्वत, झील, मरुस्थल या प्राकृतिक क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें मानवता के लिए विशिष्ट महत्व का माना जाता है। किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करने से पूर्व यूनेस्को उसे कठोर मानकों पर परखता है। वर्तमान में 10 चयन मानदंड निर्धारित हैं, जिनमें से कम से कम एक को पूरा करना आवश्यक है। इनमें ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य कला, सांस्कृतिक प्रभाव, प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा वैज्ञानिक महत्त्व जैसे पहलू सम्मिलित हैं।विश्व धरोहर मुख्यतः तीन प्रकार की होती है- पहली, सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें स्मारक, मंदिर, मस्जिद, चर्च, किले, मूर्तियाँ, प्राचीन नगर, स्थापत्य कला, भाषा, संगीत, नृत्य और परंपराएँ शामिल हैं। दूसरी, प्राकृतिक धरोहर, जिसमें पर्वत, नदियाँ, समुद्र, वन, वन्यजीव, जैव विविधता और अद्वितीय प्राकृतिक परिदृश्य आते हैं तथा तीसरी, मिश्रित धरोहर, जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों विशेषताएँ विद्यमान होती हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूनेस्को केवल स्थायी संरचनाओं या प्राकृतिक स्थलों को ही नहीं, बल्कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी मान्यता देता है। भारत की योग परंपरा और कुंभ मेला इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

विश्व स्तर पर सबसे अधिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों वाला देश इटली है, जिसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत भी विश्व धरोहर स्थलों की दृष्टि से अग्रणी देशों में सम्मिलित है। यूनेस्को एक विशेष सूची वर्ल्ड हेरिटेज इन डेंजर भी संचालित करता है, जिसमें उन स्थलों को शामिल किया जाता है जो युद्ध, प्रदूषण, प्राकृतिक आपदा, अतिक्रमण, अत्यधिक पर्यटन, जलवायु परिवर्तन या उपेक्षा के कारण संकट में हों। यदि कोई स्थल संरक्षण मानकों का पालन न करे या उसका मूल स्वरूप गंभीर रूप से बदल जाए, तो उसे सूची से हटाया भी जा सकता है। उदाहरणस्वरूप ओमान का अरेबियन ओरिक्स अभयारण्य तथा जर्मनी की ड्रेसडेन एल्बे घाटी को सूची से हटाया जा चुका है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 तक विश्वभर के 196 देशों में लगभग 1,223 विश्व धरोहर स्थल थे, जिनमें 952 सांस्कृतिक, 231 प्राकृतिक और 40 मिश्रित स्थल शामिल हैं। भारत जैसे प्राचीन और बहुसांस्कृतिक देश में इस दिवस का विशेष महत्व है। अप्रैल 2025 तक भारत में 43 विश्व धरोहर स्थल (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) तथा 62 स्थल संभावित सूची में सम्मिलित थे। भारत के प्रमुख धरोहर स्थलों में ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अजंता-एलोरा गुफाएँ, एलीफेंटा गुफाएँ, खजुराहो समूह, सांची स्तूप, महाबोधि मंदिर, हम्पी, महाबलीपुरम, जंतर-मंतर, कुतुब मीनार, लाल किला, कोणार्क सूर्य मंदिर, नालंदा, भीमबेटका, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट तथा कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं। राजस्थान धरोहर संपदा की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ जयपुर शहर, जंतर-मंतर जयपुर, आमेर किला, चित्तौड़गढ़ दुर्ग, कुंभलगढ़, रणथंभौर दुर्ग, जैसलमेर किला, गागरोन दुर्ग तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान जैसे विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं। वर्ष 2021 में भारत के रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) तथा धोलावीरा (गुजरात) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया, जिससे भारत की संख्या में वृद्धि हुई।विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष एक विशेष थीम घोषित की जाती है।वर्ष 2025 की थीम थी-आपदाओं और संघर्षों से विरासत खतरे में: आइसीओएमओएस के 60 वर्षों के अनुभवों से तैयारी और सीख। तथा वर्ष 2026 की थीम है-संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया। रखी गई है।इसका आशय यह है कि युद्ध, संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं के समय केवल भवनों और स्मारकों की ही नहीं, बल्कि जीवित विरासतों-जैसे लोक परंपराएँ, सामाजिक ज्ञान, सांस्कृतिक पहचान और समुदाय आधारित परंपराएँ की भी त्वरित सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

वर्तमान समय में बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध निर्माण, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ और लापरवाही अनेक धरोहरों के अस्तित्व पर संकट बनकर खड़े हैं। इसलिए इनका संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। धरोहरों से हमारी जड़ें मजबूत होती हैं, राष्ट्रीय गौरव बढ़ता है और पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिलती है। भारत सरकार ने भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु अनेक महत्त्वपूर्ण पहलें की हैं। विदेशों में पहुँचे प्राचीन पुरावशेषों की वापसी के प्रयास तेज किए गए हैं, और वर्ष 1976 से अब तक लगभग 655 पुरावशेष भारत वापस लाए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, वर्ष 2024 में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-स्थान जैसी कृतियों को यूनेस्को की विश्व स्मृति समिति के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रजिस्टर में शामिल किया गया, जिससे भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक सम्मान मिला। यह अच्छी बात है कि वर्ष 2017 में प्रारंभ हेरिटेज एडॉप्ट कार्यक्रम के माध्यम से सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं को सीएसआर फंडिंग के जरिए विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास में भागीदारी का अवसर दिया गया। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मिशन के अंतर्गत 12.3 लाख से अधिक पुरावशेषों तथा 11,400 विरासत स्थलों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही डिजिटल स्पेस में भारतीय विरासत पहल के माध्यम से लोगों को आभासी रूप से विरासत स्थलों का अनुभव कराया जा रहा है।भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा विकसित मस्ट सी पोर्टल पर लगभग 100 प्रमुख स्मारकों की जानकारी, चित्र और दृश्य उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे पर्यटकों और शोधकताओं को सुविधा मिलती है। जुलाई 2024 में भारत ने दिल्ली में यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की मेजबानी कर वैश्विक सांस्कृतिक नेतृत्व में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

निष्कर्षतः, विश्व धरोहर दिवस केवल कैलेंडर की एक तिथि नहीं, बल्कि मानवता की साझा विरासत को सुरक्षित रखने का वैश्विक संकल्प है। यदि हम अपनी धरोहरों की रक्षा नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ अपने इतिहास, संस्कृति और पहचान से वंचित हो जाएँगी। अतः विकास के साथ-साथ विरासतों के संरक्षण, संवर्द्धन और सम्मान के लिए हमें दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करना चाहिए।

फैशन डिज़ाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग में करियर की शुरूआत

कंचन मेहता (दिशा सिरसा)

आज के आधुनिक दौर में फैशन डिजाइनिंग एक तेजी से उभरता हुआ और आकर्षक करियर विकल्प बन चुका है। यह केवल कपड़े बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक रचनात्मक कला है जिसमें व्यक्ति अपनी कल्पनाशक्ति, सौंदर्यबोध और नवीन विचारों को परिधानों के माध्यम से व्यक्त करता है। बदलते समय के साथ फैशन इंडस्ट्री का विस्तार लगातार बढ़ रहा है, जिससे युवाओं के लिए इसमें करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

फैशन डिजाइनिंग में शुरूआत करने के लिए सबसे पहले अपनी रुचि और क्षमता को समझना आवश्यक है। यदि आपको रंगों, कपड़ों और नए-नए स्टाइल्स में रुचि है, तो यह क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त हो सकता है। एक अच्छे फैशन डिजाइनर के लिए ड्रॉइंग और स्केचिंग की समझ होना बहुत जरूरी है, क्योंकि हर डिजाइन पहले कागज पर तैयार किया जाता है। इसके अलावा, फैशन ट्रेंड्स पर नजर रखना भी आवश्यक है, ताकि आपके डिजाइन समय के अनुरूप और आकर्षक बने रहें।

फैब्रिक की पहचान, रंगों का सही संयोजन और सिलाई की बेसिक जानकारी भी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक सफल डिजाइनर वही होता है जो साधारण कपड़े को भी अपनी रचनात्मकता से खास बना सके। इसके लिए निरंतर अभ्यास और नए प्रयोग करना जरूरी होता है। साथ ही, कम्युनिकेशन स्किल्स भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आपको अपने विचारों को ग्राहकों और टीम के सामने स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना होता है।

शैक्षिक दृष्टि से, आज कई संस्थान फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा, डिग्री और मास्टर कोर्स प्रदान करते हैं। 12वीं के बाद छात्र इस क्षेत्र में प्रवेश लेकर अपने करियर की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा, शॉर्ट-टर्म कोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी शुरूआती स्तर पर सीखने के लिए अच्छे विकल्प हैं।

फैशन डिजाइनिंग में प्रैक्टिकल अनुभव का विशेष महत्व है। केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं होता। छात्रों को इंटर्नशिप करनी चाहिए, फैशन शोज में भाग लेना चाहिए और छोटे-छोटे प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहिए। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे इंडस्ट्री की वास्तविकताओं को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। एक मजबूत पोर्टफोलियो बनाना भी जरूरी है, जिसमें आपके बेहतरीन डिजाइन शामिल हों।

करियर के दृष्टिकोण से, फैशन डिजाइनिंग में कई विकल्प उपलब्ध हैं। आप फैशन डिजाइनर, स्टाइलिस्ट, फैशन कंसल्टेंट या बुटीक ओनर बन सकते हैं। इसके अलावा, आप अपना खुद का ब्रांड शुरू करके भी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया के माध्यम से अपने डिजाइन्स को प्रमोट करना भी आसान हो गया है।

अंततः, फैशन डिजाइनिंग एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें सफलता पाने के लिए मेहनत, धैर्य और निरंतर सीखने की इच्छा आवश्यक है। यदि आप अपने काम के प्रति समर्पित हैं और अपनी रचनात्मकता को निखारते रहते हैं, तो आप इस क्षेत्र में एक सफल और प्रसिद्ध डिजाइनर बन सकते हैं।

वैश्विक तनाव के बीच भारत की सधी हुई चाल, ऑस्ट्रिया के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने किया कमाल

नीरज कुमार दुबे

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भारत और ऑस्ट्रिया के बीच संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल के तहत ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा ऐतिहासिक मानी जा रही है। लगभग चार दशकों के बाद किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का भारत आगमन न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का संकेत है, बल्कि यह वैश्विक परिदृश्य में बदलती प्राथमिकताओं के बीच नई साझेदारी के निर्माण का भी प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांसलर स्टॉकर का स्वागत करते हुए इसे विशेष अवसर बताया और इस बात पर जोर दिया कि यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुनना ऑस्ट्रिया की भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बाद आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अवसर सामने आए हैं।

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा रेलवे परियोजनाओं, रोपवे, स्वच्छ ऊर्जा और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऑस्ट्रियाई कंपनियों की सक्रिय भागीदारी रही है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुल पंद्रह महत्वपूर्ण समझौते और पहलें सामने आईं, जो रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, नवाचार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख है आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह की स्थापना का प्रस्ताव, जो वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति देने के लिए सैन्य मामलों में सहयोग पर एक आशय पत्र पर सहमति बनी है। इसके तहत रक्षा उद्योग, नीति संवाद, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल भारत और यूरोप के बीच हाल ही में हुए सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगी। आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों और निवेशकों को आने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सकेगा। इससे व्यापार को सुगम बनाने और निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए ऑडियो विजुअल सह उत्पादन समझौता किया गया है, जिससे दोनों देशों के फिल्म उद्योग के बीच संयुक्त निर्माण और सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिसके तहत वैज्ञानिक सहयोग, मानकों के आदान प्रदान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाएगा। इससे कृषि और खाद्य उत्पादों के व्यापार को भी मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें प्रशिक्षुता प्रणाली, ज्ञान साझा करने और योग्यता की पारस्परिक मान्यता पर जोर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए संरचित संवाद शुरू करने और तकनीकी विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई है।

इस यात्रा के दौरान स्टार्टअप सहयोग को बढ़ाने, साइबर सुरक्षा संवाद शुरू करने, अंतरिक्ष उद्योग में संयुक्त सेमिनार आयोजित करने और वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम को लागू करने जैसी घोषणाएं भी की गईं। उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्वांटम तकनीक, मशीन लर्निंग, जल शोधन और सामग्री विज्ञान में संयुक्त अनुसंधान को साझेदारी का मुख्य आधार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर यह भी कहा कि भारत की प्रतिभा और ऑस्ट्रिया की नवाचार क्षमता मिलकर वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर सकती है। उन्होंने रक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और क्वांटम क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, मानव संसाधन के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाया है। वर्ष 2023 में हुए प्रवासन और गतिशीलता समझौते के तहत अब नर्सिंग क्षेत्र में भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा। युवा आदान प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

साथ ही वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। चाहे यूक्रेन का संकट हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, दोनों देशों ने स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया। साथ ही वैश्विक संस्थाओं में सुधार और आतंकवाद के पूर्ण उन्मूलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

हम आपको एक बार फिर बता दें कि ऑस्ट्रिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण यूरोपीय साझेदार है। यह मध्य और पूर्वी यूरोप में प्रवेश का एक प्रमुख द्वार है और हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा तथा उन्नत इंजीनियरिंग में इसकी विशेषज्ञता भारत के विकास कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है। दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और यह लगभग तीन अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच चुका है।

देखा जाये तो भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत होते संबंधों का प्रभाव वैश्विक भू-राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यूरोप के मध्य में स्थित ऑस्ट्रिया, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सेतु का काम करता है, जिससे भारत को यूरोप के बाजारों, तकनीक और निवेश तक बेहतर पहुंच मिलती है। इस सहयोग से भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका और अधिक मजबूत होगी, विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इसके साथ ही, ऑस्ट्रिया का भारत के प्रति समर्थन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करेगा, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता जैसे मुद्दों पर। दक्षिण एशिया के संदर्भ में यह साझेदारी भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत करेगी, क्योंकि उन्नत तकनीक, रक्षा सहयोग और आर्थिक निवेश के माध्यम से भारत क्षेत्रीय नेतृत्व को और प्रभावी ढंग से स्थापित कर सकेगा। इससे न केवल भारत की सुरक्षा क्षमताएं बढ़ेंगी, बल्कि वह क्षेत्र में स्थिरता, विकास और संतुलन बनाए रखने में भी अधिक सक्षम भूमिका निभा सकेगा।

बहरहाल, ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देशों के संबंध अब पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर नवाचार केंद्रित और भविष्य उन्मुख साझेदारी की ओर अग्रसर हैं। दोनों देशों ने मिलकर एक ऐसे सहयोग मॉडल की नींव रखी है जो न केवल द्विपक्षीय हितों को साधेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्थिरता और प्रगति में योगदान देगा।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पोलियो टीमों पर हमले, 3 कर्मचारी अगवा, एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में पोलियो टीकाकरण टीमों को निशाना बनाकर किए गए अलग-अलग हमलों में एक पुलिस कांस्टेबल की जान चली गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। इसके अलावा, खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले से तीन टीकाकरण कर्मियों के अपहरण की भी खबर है। बलूचिस्तान के नासिराबाद जिले के डेरा मुराद जमाली इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने पोलियो टीम पर उस समय हमला किया जब वे विश्राम कर रहे थे। क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आसिफ खानजादा के अनुसार, महिला स्वास्थ्य कर्मियों सहित सुरक्षाकर्मियों का दल दोपहर के भोजन के लिए एक छायादार स्थान पर रुका था। तभी तीन मोटरसाइकिलों पर सवार हमलावरों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस हमले में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल फरहान बशीर की मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार होने में सफल रहे। नासिराबाद के उपायुक्त जुल्फिकार अली करार ने स्पष्ट किया है कि इस कायराना हमले के बावजूद राष्ट्रव्यापी पोलियो रोधी अभियान जारी रहेगा। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले कुछ दिनों में हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। हांगू जिले के समाना रोड पर एक सशस्त्र हमलावर ने पुलिस दल पर गोलीबारी की, जिसमें कांस्टेबल मोहम्मद अनस घायल हो गए। हालांकि, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, बन्नू जिले के झंडोखेल इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों ने पोलियो टीम के तीन कर्मचारियों का अपहरण कर लिया है। ये कर्मी नियमित टीकाकरण अभियान पर थे। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू कर दिया है। इससे दो दिन पहले भी हांगू के चापरी वजीरान इलाके में एक कांस्टेबल की हत्या कर दी गई थी और चार अन्य घायल हुए थे।

तुर्किये में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की :9 की मौत

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में लगातार दूसरे दिन स्कूल में गोलीबारी का मामला सामने आया है। बुधवार को एक मिडिल स्कूल में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की। इसमें एक शिक्षक समेत 9 छात्रों की मौत हुई, जबकि लगभग 13 लोग घायल हुए। हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मार ली। 6 घायलों की हालत गंभीर है। गवर्नर मुकेर्रम उनलुएर ने बताया कि हमलावर आठवीं कक्षा का छात्र था। वह अपने बैग में पांच हथियार और सात मैगजीन लेकर स्कूल पहुंचा था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये हथियार उसके पूर्व पुलिस अधिकारी पिता के हो सकते हैं। घटना के बाद इलाके में पुलिस तैनात किया गया और जांच शुरू की गई। गवर्नर के मुताबिक, हमलावर स्कूल के अंदर दो कक्षाओं में घुसा, जहां पांचवीं कक्षा के छात्र पढ़ रहे थे। उसने वहां अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई गई है और उनका ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच, सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा गया कि गोलीबारी के दौरान कई छात्र स्कूल की दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की कोशिश कर रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में हमलावर को स्कूल के गलियारे में छात्रों पर गोली चलाते हुए भी देखा गया। हालांकि इन फुटेज की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद न्याय मंत्री अकीन गुरलेक ने कहा कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अमेरिका ने ईरान से निकल रहे 10 जहाजों को लौटाया

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के बंदरगाहों से निकलने की कोशिश कर रहे 10 जहाजों को वापस लौटा दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के समुद्री इलाके में नाकाबंदी कर रखी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, सोमवार से शुरू हुई इस नाकाबंदी के बाद अब तक कोई भी जहाज इसे पार नहीं कर पाया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने नाकाबंदी नहीं हटाई, तो वह खाड़ी इलाके में व्यापार को बाधित कर सकता है। आज इजराइल और लेबनान के नेता जंग खत्म करने पर सीधे बातचीत करेंगे। यह पिछले 34 साल में दोनों देशों के बीच पहली सीधी बातचीत होगी। इजराइल और लेबनान के नेता आखिरी बार 1991 में मैड्रिड कॉन्फ्रेंस में आमने-सामने बैठे थे। अमेरिका और ईरान 21 अप्रैल को खत्म हो रहे सीजफायर से पहले समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है, हालांकि कुछ मतभेद अब भी बाकी हैं। इस बीच तेहरान में ईरानी अधिकारियों और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच अहम बैठक होगी। मुनीर पहले ही ईरान पहुंचकर विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर चुके हैं और वे अमेरिकी संदेश लेकर गए हैं। पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। उधर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ मिलकर बातचीत और ड्राफ्ट प्रस्ताव साझा कर रहे हैं।

ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच 34 साल बाद हो रही वार्ता का किया स्वागत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने एक बार फिर से साफ किया है कि इजरायल और लेबनान के बीच संभावित सीजफायर ईरान के साथ उसकी बातचीत का हिस्सा नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारतीय समयानुसार गुरुवार को यानी इजरायल और लेबनान के बीच बातचीत होगी। भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'इजराइल और लेबनान के बीच थोड़ी राहत दिलाने की कोशिश कर रहा हूं। दोनों नेताओं ने लगभग 34 साल से बात नहीं की है। अब बात होगी। बढ़िया।' हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वार्ता में कौन-कौन शामिल होंगे। ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते का सीजफायर होने के बाद ईरानी पक्ष की तरफ से ये दावा किया कि इजरायल ने लेबनान पर हमला करके सीजफायर का उल्लंघन किया है। हालांकि, अमेरिका ने कहा कि इस सीजफायर में लेबनान को शामिल नहीं किया गया था। इजरायल और लेबनान के बीच लगभग 34 सालों में पहली बार उच्चस्तरीय बातचीत हो रही है। दोनों देशों के बीच अमेरिका मध्यस्थ का काम कर रहा है। वॉशिंगटन इजरायल की उत्तरी सीमा पर तनाव कम करने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशें तेज कर रहा है। अमेरिकी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने

लेबनान में युद्धविराम के लिए नहीं कहा था और यह ईरान के साथ शांति बातचीत का हिस्सा नहीं था। हालांकि, अधिकारी ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल और लेबनान के बीच शांति समझौते के हिस्से के तौर पर लेबनान में दुश्मनी खत्म होने का स्वागत करेंगे। रुबियो की मौजूदगी में लेबनान और इजरायल के बीच दुर्लभ सीधी बातचीत सालों में पहली बार हुई थी। अमेरिकी अधिकारियों ने इस बातचीत को तनाव कम करने और शायद एक बड़े समझौते का रास्ता खोलने की दिशा में एक कदम बताया। एक और सीनियर अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका एक टिकाऊ शांति चाहता है, लेकिन उसने तुरंत सीजफायर की मांग नहीं की है। अमेरिका का ध्यान दोनों सरकारों के बीच भरोसा बनाने पर है ताकि हम शांति समझौते के लिए जगह बना सकें और भविष्य में होने वाली कोई भी समझ टिकाऊ हो सके। दोनों पक्षों को पॉलिटिकल माहौल बनाने की जरूरत है। अमेरिकी अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि वॉशिंगटन तनाव कम करने का समर्थन तो करता है, लेकिन वह बातचीत के अलग-अलग रास्तों को नहीं जोड़ रहा है। अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का इजरायल और लेबनान के बीच चल रही शांति वार्ता से कोई लेना-देना नहीं है। इजरायल लेबनान में एक अल्पकालिक युद्धविराम पर विचार कर रहा है, जो लगभग एक सप्ताह तक चल सकता है, हालांकि यह अभी अंतिम निर्णय नहीं है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हिजबुल्लाह इस प्रस्ताव को स्वीकार करेगा या नहीं। अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन विभिन्न वार्ता प्रक्रियाओं को आपस में जोड़ नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता को इजरायल-लेबनान शांति वार्ता से अलग रखा गया है। लेबनान में तनाव के हालात तब से हैं, जब इजरायल ने इस साल की शुरुआत में हिजबुल्लाह के रॉकेट हमलों के बाद सैन्य अभियान शुरू किया था। इस संघर्ष ने बड़ी संख्या में नागरिकों को विस्थापित किया है और क्षेत्रीय तनाव बढ़ा दिया है। वॉशिंगटन की मौजूदा रणनीति तत्काल समाधान के बजाय धीरे-धीरे प्रगति पर केंद्रित है, ताकि जल्दबाजी में लिए गए फैसलों से बचा जा सके और स्थायी शांति का रास्ता तैयार हो सके।

ईरान में अब ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक महीने से ज्यादा चले भीषण सैन्य टकराव के बाद भले ही अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम हुआ हो, लेकिन जंग अब नए मोर्चे पर पहुंच गई है। गोलियों और मिसाइलों की जगह अब आर्थिक हथियारों का इस्तेमाल तेज हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की कमर तोड़ने के लिए कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की नई रणनीति तैयार कर ली है। ईरान के तेल कारोबार से लेकर वैश्विक बैंकिंग नेटवर्क तक, हर रास्ता बंद करने की कोशिश की जा रही है, जिससे ईरान पर चौतरफा दबाव बनाया जा सके। बढ़ते इस तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने अपना रुख साफ किया है कि वह ईरान पर और सख्त प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। इसमें उन देशों और बैंकों पर भी कार्रवाई शामिल हो सकती है, जो ईरान के तेल कारोबार से जुड़े हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यह कदम ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी के तहत उठाया जा रहा है। उनका कहना है कि पिछले एक साल से ईरान पर मैक्सिमम प्रेशर यानी अधिकतम दबाव बनाया जा रहा है। इस बात को ऐसे समझिए कि अमेरिका अब उन देशों से भी सख्त कदम उठाने को कह रहा है, जिनके पास ईरान से जुड़े पैसे हैं।

यूक्रेन को ब्रिटेन से मिला अब तक का सबसे बड़े हथियारों का पैकेज

लंदन , एजेंसी। यूक्रेन को ब्रिटेन की ओर से घोषित अब तक के सबसे बड़े ड्रोन पैकेज की आपूर्ति शुरू हो गई है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ड्रोन की खेप पहुंचनी शुरू हो चुकी है और इससे उसकी फ्रंटलाइन की ताकत मजबूत हो रही है। मंत्रालय ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि हम यूके के आभारी हैं, जिसने यूक्रेन के लिए अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन पैकेज दिया है। ये ड्रोन पहुंचने लगे हैं और हमारी फ्रंटलाइन को मजबूत कर रहे हैं। बयान के अनुसार, इस वर्ष यूक्रेन को कुल 1.2 लाख (120,000) ड्रोन मिलने की उम्मीद है। इस पैकेज में स्ट्राइक, टोही, लॉजिस्टिक्स और समुद्री ड्रोन शामिल हैं, जो युद्ध के अलग-अलग मोर्चों पर इस्तेमाल किए जाएंगे। इससे पहले ब्रिटेन ने घोषणा की थी कि वह 2026 में यूक्रेन को कम से कम 1.2 लाख ड्रोन उपलब्ध कराएगा। यह पहल ब्रिटेन की इस साल की करीब 3 अरब पाउंड (लगभग 4.07 अरब अमेरिकी डॉलर) की सैन्य सहायता योजना का हिस्सा है। इसके साथ ही यह त7 की एक्स्ट्राऑर्डिनरी रेवेन्यू एक्सेलरेशन फॉर यूक्रेन पहल से भी समर्थित है, जिसका उद्देश्य यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना

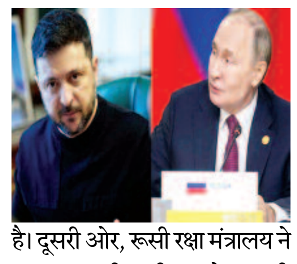

है। दूसरी ओर, रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है। रूस ने कहा कि यूरोपीय देशों द्वारा यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने से महाद्वीप सीधे तौर पर रूस के साथ संघर्ष में और अधिक उलझता जा रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि यूरोपीय नेताओं के ऐसे कदम उनकी सुरक्षा बढ़ाने के बजाय उन्हें युद्ध की ओर धकेल रहे हैं। मंत्रालय के मुताबिक, 26 मार्च को कई यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने का निर्णय लिया, खासकर उस समय जब यूक्रेनी सेना को बढ़ते नुकसान और जनशक्ति की कमी का सामना करना पड़ रहा है। रूस ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी ड्रोन निर्माता कंपनियों की शाखाएं यूरोप के आठ देशों में सक्रिय हैं। इनमें से कुछ इकाइयां स्ट्राइक ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन जैसे हथियारों के निर्माण में लगी हैं, जिनके उत्पादन के लिए यूरोप में अतिरिक्त फंडिंग भी बढ़ाई जा रही है।

हिजबुल्लाह का भीषण प्रहार, 24 घंटे में इस्राइली ठिकानों पर 39 किए हमले; जंग तेज हुई तेज

तेलअवीव, एजेंसी। लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 39 सैन्य अभियान चलाए हैं। इन हमलों में इस्राइली बस्तियों, सैनिकों की टुकड़ियों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया। साथ ही दक्षिणी सीमा और उत्तरी इस्राइल में दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने की झड़पें भी हुईं। अल जजीरा की रिपोर्ट में बात सामने आई है। इस बीच, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि इस्राइली सेना दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान जारी रखेगी। नेतन्याहू ने बिंट जबील को हिजबुल्लाह का मुख्य गढ़ बताया और इसे पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया। इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने लेबनान के अस्पतालों की हालत पर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि दक्षिण लेबनान का 'तेबनीन सरकारी अस्पताल' गंभीर संकट में है। अप्रैल में अस्पताल के पास हुए दो अलग-अलग हमलों में इसे काफी नुकसान पहुंचा है। इन घटनाओं में 11 स्वास्थ्य कर्मी घायल हुए। अस्पताल का इमरजेंसी विभाग, वेंटिलेटर, मॉनिटर और फार्मेसी जैसी जरूरी चीजें खराब हो गई हैं। हालांकि कुछ सेवाएं अभी भी चालू हैं, टेड्रोस ने कहा कि डब्लयूएचओ प्राथमिकता वाली जरूरतों के आधार पर तत्काल आपातकालीन रखरखाव में सहायता कर रहा है। डब्लयूएचओ प्रमुख ने स्वास्थ्य सेवाओं पर हो रहे हमलों के आंकड़े भी साझा किए। संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर 133 हमले हुए हैं। इनमें 88 लोगों की मौत हुई और 206 लोग घायल हुए हैं। हमलों की वजह से 15 अस्पताल और 7 स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हुए हैं। वहीं, 5 अस्पतालों और 56 स्वास्थ्य केंद्रों को पूरी तरह बंद करना पड़ा है। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों, एम्बुलेंस और मरीजों की सुरक्षा की अपील की है। अल जजीरा के अनुसार, एक अन्य घटना में, दक्षिण लेबनान के मईफादौन में इस्राइली हमलों में कम से कम चार पैरामेडिक्स की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

ईरान ने यूरेनियम संवर्धन के अधिकारों पर समझौते से किया इनकार, यूएस पर युद्ध भड़काने का लगाया आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि ईरान अपने न्यूक्लियर संवर्धन अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगा। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को बताया कि न्यूक्लियर एनर्जी पर उसका अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर आधारित है। तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बाघेई ने पश्चिमी मीडिया में ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को लेकर फैल रही अटकलों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ईरान के वैध अधिकार पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण परमाणु संवर्धन का अधिकार किसी बाहरी शक्ति की कृपा या रियायत नहीं है, जिसे दबाव या संघर्ष के समय वापस लिया जा सके। जब

तक ईरान एनपीटी का सदस्य है, उसे इस संधि के सभी प्रावधानों का पूरा लाभ मिलना चाहिए। पाकिस्तान में हाल ही में हुई ईरान-अमेरिका वार्ता को लेकर संवर्धन से जुड़ी चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए बाघेई ने कहा कि किसी भी संभावित समझौते के लिए पहले एक व्यापक ढांचा तय होना जरूरी है। जब तक बुनियादी शर्तें तय नहीं होतीं, तब तक युद्ध और शांति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विस्तृत बातचीत जल्दबाजी होगी। लेबनान प्रतिरोध को लेकर उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा 'वैध प्रतिरोध' का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि लेबनान में युद्ध समाप्त करना भी उस सीजफायर समझौते का हिस्सा था, जिस पर इस्लामाबाद वार्ता में चर्चा हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरा पक्ष (इजरायल) शुरू से ही सीजफायर की शर्तों का पालन नहीं कर रहा है। बाघेई ने यह भी कहा कि किसी समझौते के तहत यदि एक पक्ष अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करता है, तो दूसरे पक्ष को भी अपनी जिम्मेदारियों को उसी अनुपात में समायोजित करने का अधिकार होता है।

उन्होंने इस दावे को पूरी तरह गलत बताया कि ईरान ने लेबनान में प्रतिरोध मोर्चों का समर्थन कम किया है। बाघेई ने होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर यूरोपीय प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ईरान और उसके क्षेत्रीय साझेदार इस महत्वपूर्ण जलमार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ऐतिहासिक रूप से इस क्षेत्र का संरक्षक रहा है और पिछले 40 दिनों में जो भी व्यवधान हुए हैं, वे अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए संघर्ष का परिणाम हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि बाहरी हस्तक्षेप से क्षेत्रीय स्थिति और जटिल हो सकती है।

ईरान के साथ तनाव के चलते अमेरिका में गैस की कीमतों के पूर्वानुमान पर छाई अनिश्चितता

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में ईंधन की कीमतों के भविष्य को ईरान संघर्ष में हो रहे घटनाक्रमों से जोड़ दिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि पेट्रोल की कीमतों में लगातार गिरावट इस बात पर निर्भर करेगी कि होरमुज़ जलडमरूमध्य दोबारा खोला जाता है या नहीं और चल रही वार्ताओं में कितनी प्रगति होती है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बुधवार (स्थानीय समय) व्हाइट हाउस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि गैस की कीमतों में कमी का समय अभी अनिश्चित है। उन्होंने ईरान से जुड़े तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में आई बाधाओं का हवाला दिया। बेसेंट ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि 20 जून से 20 सितंबर के बीच किसी समय हम फिर से 3 डॉलर प्रति गैलन गैस देख सकते हैं,' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि परिणाम इस बात पर निर्भर करेंगे कि बातचीत कैसे आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि होरमुज़ जलडमरूमध्य अभी 'पूरी तरह से दोबारा नहीं खोला गया है,' और यह भी जोड़ा कि जैसे ही शिपिंग मार्ग सामान्य संचालन में लौटेंगे, ऊर्जा बाजार स्थिर हो जाएंगे। बेसेंट ने कहा कि मध्य पूर्व के वित्त मंत्रियों के साथ हुई चर्चाओं से संकेत मिलता है कि परिस्थितियां सुधरते ही तेल उत्पादन तेजी से फिर शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा, 'जैसे ही जलडमरूमध्य खुलता है, वे एक सप्ताह के भीतर फिर से उत्पादन शुरू कर सकते हैं।' प्रशासन ने कहा कि वह ईंधन की कीमतों पर नजर बनाए हुए है और खुदरा विक्रेताओं से अपील की है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने पर उसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने कहा कि मौजूदा मूल्य दबाव ईरान की स्थिति से जुड़े एक व्यापक रणनीतिक प्रयास को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, 'यह संयुक्त राज्य अमेरिका के दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्य के लिए एक अल्पकालिक व्यवधान है।' इन प्रयासों का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। लेविट ने कहा कि जैसे ही ऑपरेशन समाप्त होंगे और जलडमरूमध्य फिर से खुलेगा, प्रशासन को उम्मीद है कि ईंधन की कीमतें घटेंगी। साथ ही उन्होंने घरेलू ऊर्जा उत्पादन पर सरकार के ध्यान का भी उल्लेख किया।

बेसेंट ने इस दृष्टिकोण को 'अल्पकालिक अस्थिरता, दीर्घकालिक लाभ के लिए' बताया। साथ ही, यह संकेत दिया कि अस्थायी आर्थिक दबाव एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है। प्रशासन ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर करने के प्रयासों पर भी जोर दिया, जिसमें सहयोगी देशों और क्षेत्रीय भागीदारों के साथ समन्वय शामिल है।

ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर बोले आईएईए प्रमुख- तेहरान बेहद महत्वकांक्षी, भ्रम में न पड़े अमेरिका

तेहरान, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक मारियानो राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम की जांच के लिए व्यापक उपाय शामिल किए जाने चाहिए। ग्रॉसी ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम की सख्त और विस्तृत जांच की व्यवस्था के बिना कोई भी समझौता सिर्फ एक भ्रम साबित होगा। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख ने साफ कहा है कि आईएईए निरीक्षकों को इसके लिए यदि पूरी पहुंच नहीं मिलती, तो ऐसा समझौता वास्तविक नहीं होगा। सियोल में संवाददाताओं से बात करते हुए ग्रॉसी ने कहा, 'ईरान का परमाणु कार्यक्रम बहुत महत्वाकांक्षी और व्यापक है, इसलिए इन सभी पहलुओं के लिए आईएईए निरीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने कहा कि परमाणु प्रौद्योगिकी पर किसी भी समझौते के लिए 'बेहद विस्तृत सत्यापन तंत्र' की जरूरत होती है।

ईरान के परमाणु ठिकानों तक एजेंसी की पहुंच नहीं : इससे पहले फरवरी की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की एक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार, जून में 12 दिनों के युद्ध के दौरान इस्राइल और अमेरिका द्वारा बमबारी किए गए परमाणु ठिकानों तक ईरान ने आईएईए को पहुंच नहीं दी। रिपोर्ट में कहा गया कि एजेंसी यह सत्यापित नहीं कर सकती कि ईरान ने संवर्धन

से संबंधित सभी गतिविधियां बंद कर दी हैं या प्रभावित परमाणु सुविधाओं में ईरान के यूरेनियम भंडार का आकार कितना बड़ा है। ईरान लंबे समय से अपने कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताता आया है। वहीं, आईएईए और पश्चिमी देशों का दावा है कि तेहरान के पास 2003 तक संगठित परमाणु हथियार कार्यक्रम था। आईएईए के अनुसार, ईरान के पास 60% तक संवर्धित 440.9 किलोग्राम यूरेनियम मौजूद है। ग्रॉसी ने कहा, ईरान अपने कार्यक्रम को हथियार बनाने की दिशा में ले जाता है, तो यह भंडार 10 परमाणु बम बनाने योग्य होगा। ग्रॉसी ने बताया कि उत्तर कोरिया के परमाणु ठिकानों पर गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। उनकी टिप्पणी उन विदेशी पर्यवेक्षकों के नजरिये से मेल खाती है, जो मानते हैं कि वर्ष 2019 में अमेरिका के साथ कूटनीति विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अपने मुख्य योंगब्योन परमाणु परिसर का विस्तार किया है और अतिरिक्त यूरेनियम संवर्धन केंद्र बनाने के लिए कदम उठाए हैं। घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि आईएईए की कड़ी शर्तें अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते को प्रभावित कर सकती हैं। राफेल ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय पर आया है।

आसिम मुनीर ही हैं असली मालिक ! पाकिस्तान के पूर्व मंत्री बोले- ट्रंप ने तो शरीफ का नाम तक नहीं लिया

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऐसे समय में जब ईरान और अमेरिका के बीच राजनयिक वार्ताओं के संदर्भ में पाकिस्तान चर्चा के केंद्र में है, तो एक जाना-पहचाना सवाल फिर से सामने आया है: इस्लामाबाद में इस मध्यस्थता का नेतृत्व असल में कौन कर रहा है? पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने इस पर स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर ही 'पाकिस्तान का नेतृत्व कर रहे हैं' और सारे फैसले लेने का अधिकार उन्हीं के पास है। एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका-ईरान मध्यस्थता वार्ता की कमान किसके हाथों में है, तो चौधरी ने कहा: ईमानदारी से कहूं तो इसमें कोई दो राय नहीं है। इस वक्त पाकिस्तान का नेतृत्व जनरल असीम मुनीर कर रहे हैं। वे ही पाकिस्तान के वास्तविक (ष्ठद्ग द्धड्डष्ह्लश्) नेता हैं। अभी निर्णय लेने की सारी शक्ति फील्ड मार्शल (सीडीएफ) के पास ही है... यहां तक कि कल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जनरल असीम मुनीर को ही पाकिस्तान का नेता बताया, और उन्होंने (प्रधानमंत्री) शहबाज शरीफ का नाम लेने की जहमत तक नहीं उठाई।

ईरान गया पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल : ईरान की सरकारी मीडिया ने बुधवार को बताया कि एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका का एक विशेष संदेश लेकर ईरान पहुंचा है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी ने ईरानी मीडिया के हवाले से बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों (अमेरिका और ईरान) के बीच दूसरे दौर की बातचीत की रूपरेखा भी तैयार कर सकता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माइल बघाई ने भी अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद में हुई पिछली चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए तेहरान में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल पहुंच चुका है।

पहली वार्ता रही बेनतीजा और अमेरिका की 'अवास्तविक' मांगें : पिछले सप्ताहांत पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत किसी भी ठोस या निर्णायक नतीजे पर पहुंचने में विफल रही थी। एएफपी न्यूज एजेंसी ने प्रवक्ता बघाई के हवाले से बताया कि रविवार को जब से ईरानी प्रतिनिधिमंडल वापस तेहरान लौटा है, तब से पाकिस्तान के माध्यम से दोनों देशों के बीच कई संदेशों का आदान-प्रदान किया गया है। बघाई ने यह भी स्पष्ट किया कि पहली वार्ता के दौरान अमेरिका की कुछ मांगें बेहद अनुचित और अवास्तविक थीं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वे मांगें वास्तव में क्या थीं।

डोनाल्ड ट्रंप का बयान और अमेरिकी नाकेबंदी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस बात के संकेत दिए हैं कि तेहरान के साथ शांति वार्ता इसी सप्ताह फिर से शुरू हो सकती है। बातचीत की यह कोशिश ऐसे तनावपूर्ण माहौल में हो रही है जब अमेरिकी सेना ने समुद्र में कड़ी नौसैनिक नाकेबंदी कर दी है। अमेरिका का दावा है कि इस नाकेबंदी के कारण ईरान के साथ होने वाला समुद्री व्यापार पूरी तरह से कट गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को 'न्यूयॉर्क पोस्ट' को बताया कि पाकिस्तान में ईरान के साथ एक नए दौर की बातचीत 'अगले दो दिनों के भीतर' होने वाली है।

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अतः बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने`लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्धि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीटः-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीजः- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीजः- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमीः- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यतः 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूॅगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करनाः- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करनाः- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़कावः- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिर्खइा देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यतः भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुॅच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यतः मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यतः व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यतः वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पाँड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अतः उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण - फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

नशे से दूर रहकर बेहतर भविष्य पर ध्यान दें युवा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः आईएचएमएस संस्थान में राष्ट्र के लिए संस्कारयुक्त, नशामुक्त युवा' विषय पर एक प्रभावशाली भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं को नशे से दूर रहकर बेहतर भविष्य पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक कर्नल बी.एस. गुसांई ने की।

टूरिस्ट संदेश फाउंडेशन के तत्वावधान में 'समृद्ध संवाद से समाधान कार्यक्रम के संयोजक सुभाष चन्द्र नौटियाल के संयोजन में आयोजित इस प्रतियोगिता में आईएचएमएस, मालिनी वैली बीएड कॉलेज तथा चन्द्रावती लॉ कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी सत्य प्रकाश थपलियाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे, जबकि वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र उनियाल, मंयक प्रकाश कोठारी 'भारतीय' एवं सर्वोदयी डॉ. सुरेन्द्र लाल आर्य विशिष्ट वक्ता के रूप में शामिल हुए। प्रतियोगिता में आईएचएमएस से कुमारी दीया भारद्वाज (एमबीए द्वितीय सेमेस्टर) ने प्रथम, सौरभ रावत ने द्वितीय तथा कुमारी माही (बीबीए द्वितीय सेमेस्टर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

चन्द्रावती लॉ कॉलेज से अंजुम अंसारी प्रथम, आशीष भंडारी द्वितीय और अंजू डबराल तृतीय स्थान पर रहे। वहीं मालिनी वैली बीएड कॉलेज से अभिषेक सती प्रथम, अनु द्वितीय तथा आकांक्षा रावत तृतीय स्थान पर रहे। मुख्य वक्ता सत्य प्रकाश थपलियाल ने कहा कि युवा ही राष्ट्र के भविष्य निर्माता हैं और एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने नशे को समाज के पतन का प्रमुख कारण बताते हुए युवाओं से इससे दूर रहने का आह्वान किया। वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र उनियाल ने कहा कि, युवा मनोविज्ञान को समझने की आवश्यकता है तथा यदि कोई साथी नशे की ओर बढ़ रहा है तो उसे नशामुक्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। इसके लिए नशामुक्त युवाओं का समूह तैयार करने की आवश्यकता है। वक्ता मंयक प्रकाश कोठारी ने तथ्य प्रस्तुत करते हुए समाज में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि, हमें हमारे युवाओं को जिम्मेदारी का आभास कराने की आवश्यकता है। विशिष्ट वक्ताओं ने भी युवाओं की भूमिका, उनके मनोविज्ञान और जिम्मेदार नागरिक बनने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। डॉ. सुरेन्द्र लाल आर्य ने माता-पिता की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि बच्चों में संस्कार विकसित करने के लिए अभिभावकों का स्वयं नशामुक्त होना जरूरी है। कार्यक्रम के अंत में आईएचएमएस के निदेशक कर्नल बी.एस. गुसांई ने सभी उपस्थित लोगों को संस्कारयुक्त एवं नशामुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर निर्णायक मंडल में डॉ. अनुराधा, प्रकाश चन्द्र भट्ट एवं अनुराग सेमवाल शामिल रहे, जबकि कार्यक्रम का संचालन सुन्दर लाल जोशी ने किया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस मौके पर एस.एन.नौटियाल, आर पी पंत, केपी एल खन्तवाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

गढ़वाल विवि में नरेंद्र संगीत सप्ताह का आगाज

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र की ओर से लोकगायक नरेंद्र सिंह नेगी के योगदान को समर्पित ह्यनरेंद्र संगीत सप्ताहह्न का शुभारंभ किया गया। इस आयोजन में देशभर से 80 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजी हैं जो मंच पर अपने गायन की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि उत्तराखंड की लोक–सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाने में नरेंद्र सिंह नेगी का योगदान अतुलनीय है और नई पीढ़ी उनके गीत–संगीत से प्रेरणा ले रही है। इस दौरान लोकगायक नरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को मंच प्रदान करते हैं और लोक संस्कृति को आगे बढ़ाने में सहायक होते हैं। उन्होंने अपने प्रसिद्ध गीत ठंडो रे ठंडो... की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। केंद्र के संस्थापक डॉ. डीआर पुरोहित ने इसे नई सांस्कृतिक परंपरा की शुरुआत बताया। कार्यक्रम के पहले दिन हेमलता बिष्ट, अम्बिका किमोठी, डॉ. सर्वेश सुयाल, सूमा रावत, लव मैठाणी, अंकित भट्ट, शकुंतला नेगी और प्राची कंडवाल सहित कई कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय पाण्डेय और गणेश खुगशाल ह्यगणीह्न ने किया। इस मौके पर बिपिन बलूनी, कुलसचिव प्रो. वाईएस रैवानी, डीएसडब्ल्यू प्रो. ओपी गुसाईं, डीन प्रो. मोहन सिंह पंवार सहित संस्कृतिकर्मी और छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

वन विभाग ने रोका चाल–खाल बनाने का काम

चमोली। गैरसैंण के झूमाखेत में महिलाओं की ओर से जल संरक्षण के लिए बनाई जा रही चाल खाल के निर्माण कार्य को वन विभाग ने रोक दिया। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने महिलाओं से कहा कि यह भूमि रिजर्व फॉरेस्ट (आरक्षित वन) की है। वन विभाग की कार्रवाई से ग्रामीणों में रोष है। महिलाओं ने कहा कि चाल खाल से पानी का संरक्षण होगा और पशुओं–पक्षियों के लिए पीने का पानी उपलब्ध होगा। खनसर पट्टी के झूमाखेत में पर्यावरण प्रेमी शंकर सिंह बिष्ट के सहयोग से करीब 31 महिलाओं की ओर से छोटी–छोटी चाल खाल का निर्माण किया जा रहा है। महिलाओं की ओर से बनाई गई चाल खाल में बरसाती जल का संरक्षण किया जा रहा है। यह पानी भूमि में समा कर उसकी नमी बनाए रखता है। मगर शुक्रवार को वन विभाग ने चाल–खाल निर्माण का काम रोक दिया। पर्यावरण प्रेमी शंकर सिंह बिष्ट ने कहा कि वन विभाग की टीम ने काम रुकवा दिया है। ममंद अध्यक्ष राधा बिष्ट, चंद्रा देवी, शोभा देवी, कमला देवी, हंसी देवी, शशि देवी आदि ने कहा एक ओर विकास के नाम पर लाखों पेड़ काट दिए जाते हैं अब महिलाएं पानी और भूमि संरक्षण के लिए काम कर रही हैं तो काम रोक दिया जा रहा है। लोहबारेंज गैरसैंण के वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप गौड़ ने कहा कि जिस भूमि पर चाल खाल बनाई जा रही है वह रिजर्व फॉरेस्ट है। वहां काम करने के लिए पहले अनुमति लेनी होगी। तभी काम किया जा सकता है।

ठोस ट्रैफिक प्लान के साथ पुलिस तैयार : डॉ मुरूगेशन

उत्तरकाशी। अपर पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं कानून व्यवस्था) डॉ. वी. मुरूगेशन ने कहा कि इस वर्ष यात्रा को सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि गंगोत्री और यमुनोत्री धाम सहित सभी प्रमुख यात्रा पड़ावों पर ट्रैफिक नियंत्रण के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। डॉ. मुरूगेशन ने एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि चारधाम में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पीएसी की कंपनियां भी जल्द ही तैनात की जाएंगी। संवेदनशील और भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी, साथ ही पुलिस के साथ अन्य एजेंसियों का भी समन्वय सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि इस बार चारधाम यात्रा सफलतापूर्वक और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ संचालित होगी। पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं से भी कहा है कि वे यात्रा के दौरान जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करें, जिससे यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सके। वहीं एसपी कमलेश उपाध्याय ने बताया कि यात्रा मार्गों पर 6 थाने, 9 रिपोर्टिंग पुलिस चौकी, 1 वाच एंड वार्ड व 13 सीजनल चौकियां स्थापित है। यात्रा मार्ग पर 26 लैंडस्लाइड जोन, 36 दुर्घटना संभावित स्थल, 4 ब्लैक स्पॉट, 18 हॉल्टिंग प्वाईंटस को चिह्नित किया गया है।

ऑनलाइन सिस्टम ठप होने पर प्रधानों ने जताई नाराजगी

उत्तरकाशी। विकासखंड मोरी में संचालित सरकारी योजनाओं के क्रिआन्वयन में आ रही दिक्कतों को लेकर प्रधान संगठन ने नाराजगी जताई है। ऑनलाइन सिस्टम ठप होने की वजह से वहां पर ग्राम पंचायत स्तर के कामकाज ठप हो गए हैं। संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश प्रसाद डिमरी ने जिलाधिकारी को पत्र देकर समस्या के समाधान की मांग उठाई है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं के ऑनलाइन पोर्टल ठीक से कार्य नहीं कर रहे हैं, जिसके चलते योजनाओं का संचालन प्रभावित हो रहा है। विशेष रूप से वित्तीय एवं राज्यवित्त से संबंधित योजनाओं के ऑनलाइन सिस्टम के ठप होने से ग्राम पंचायत स्तर पर कार्य बाधित हो रहे हैं। प्रधान संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधान एवं पंचायत प्रतिनिधि आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

आटागाड़ नदी पर पुल बनकर तैयार, कल से शुरू होगा आवागमन

चमोली। आटागाड़ नदी पर मोटर पुल बनकर तैयार हो गया है। 19 अप्रैल को मोटर पुल पर आवागमन शुरू हो जाएगा। मोटर पुल शुरू होने से चांदपुर पट्टी के 30 से अधिक गांवों को लाभ मिलेगा। पुल बनने से इन गांवों का संपर्क सीधे नैनीताल हाईवे से जुड़ जाएगा और 19 किमी दूरी कम हो जाएगी। साथ ही ब्लॉक मुख्यालय पहुंचने के लिए दूरी भी कम हो जाएगी। लोनिवि कर्णप्रयाग की ओर से आटागाड़ नदी के ऊपर करीब दो करोड़ से अधिक लागत से पुल का निर्माण किया गया है। पुल न बनने से नंदासैण, पुनगांव, मालई, चौरासैण, मटियाला आदि गांवों के ग्रामीणों को करीब 30 किमी की दूरी तय करके आदिबदरी पहुंचना पड़ता था। मगर अब पुल बनने से यह दूरी केवल 11 किमी रह जाएगी। वहीं जसपुर, डुंग्री, बैनोली गांवों के ग्रामीणों को ब्लॉक मुख्यालय पहुंचने के लिए करीब 8 किमी की दूरी कम तय करनी पड़ेगी। डुंग्री गांव की प्रधान इंद्रा देवी, पूर्व जिपंस विनोद सिंह नेगी, अशोक चौधरी, गब्बर सिंह नेगी ने कहा कि पुल बनने से अब पिंडर घाटी, ब्लॉक मुख्यालय और गैरसैंण पहुंचना आसान हो जाएगा।

बिना अनुबंध और सुरक्षा मानकों के नहीं उतरने देंगे हेलिकॉप्टर

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा सीजन से पहले खरसाली गांव के ग्रामीणों ने हेली सेवा संचालित करने वाली कंपनियों के लिए सख्त रुख अपनाया है। ग्रामीणों ने एक बैठक कर सुरक्षा मानकों के पालन किए बगैर खरसाली हेलिपैड में हेलिकॉप्टरों की उड़ानों का विरोध जताया है। निर्णय लिया है कि ग्रामसभा के साथ बिना विधिवत अनुबंध और निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने पर ही किसी भी हेलिकॉप्टर को गांव में उतरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गांव के विपिन उनियाल ने कहा कि गांव और ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। चारधाम यात्रा का संचालन सुचारू रूप से होना चाहिए लेकिन इसके लिए हेली सेवा कंपनियों को पहले ग्राम सभा के साथ बैठकर साफ समझौता करना होगा। नियमों के अनुरूप अनुबंध के बाद ही खरसाली हेलिपैड पर हेलीकॉप्टर उतर सकेंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा सीजन में यमुनोत्री धाम आने वाले श्रद्धालुओं के हेलिकॉप्टर खरसाली गांव के निजी हेलिपैड पर उतरते हैं जिनका संचालन निजी कंपनियां करती है। ग्रामीणों का कहना है कि दिनभर हेलिकॉप्टरों की आवाजाही से भारी शोर रहेगा और गांव के ऊपर लगातार उड़ान भरने से दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।

स्मैक तस्करी के दोषी को दो साल सश्रम कारावास

नई टिहरी। विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट)/जिला एवं सत्र न्यायाधीश नितिन शर्मा की अदालत ने स्मैक तस्करी के आरोप में एक अभियुक्त को दो साल सश्रम कारावास और 30 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर अभियुक्त को 3 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। बताया गया कि छह दिसंबर 2021 को मुनिकीरेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस और एसओजी की टीम ने मुखबिर की सूचना पर चेकिंग अभियान चलाते हुए ब्रह्मानंद मोड पर एक स्कूटी सवार को रोका लेकिन वह भागने की कोशिश करने लगा। पीछा करने पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम कमल वाधवा निवासी गंगानगर ऋषिकेश जिला देहरादून बताया। उसके कब्जे से 40.26 ग्राम स्मैक बरामद हुई। अभियोजन की ओर से अभियुक्त को कठोर सजा देने की अपील की। अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट)/जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने अभियुक्त को दो साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

कांग्रेस की सरकार बनी तो प्रत्येक घर को देंगे रोजगार : गोदियाल

नई टिहरी। कांग्रेस ने जनाक्रोश गर्जना रैली निकालकर प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। हनुमान चौक से रैली निकालते हुए कांग्रेसी बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे और धरना दिया। धरनास्थल पर हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि रोजगार बंद करने वाली भाजपा सरकार को उखाड़ फेंके। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2027 में कांग्रेस की सरकार बनी तो टिहरी में पर्यटन बढ़ाएंगे और प्रत्येक घर को रोजगार देंगे।

प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय में जन गर्जना आक्रोश रैली निकाली गई। आक्रोश रैली में पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि 2002 में जब उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनी तब कांग्रेस ने टिहरी को कई मंत्री देकर सम्मान दिया। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि था कि भाजपा सरकार बनेगी तो पहाड़ का पानी और जवानी पहाड़ के काम आएगी लेकिन सरकार बनने के बाद रोजगार के रास्ते बंद कर दिए। अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच ठंडे बस्ते में डाल दी। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि रोजगार बंद करने से प्रदेश में 12 सौ गांव खाली हो गए। वेंटीलेटर पर चल रही भाजपा सरकार बिहार की तरह यहां भी धनबल का प्रयोग करना चाहती है। चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत ने कहा कि टिहरी को मेडिकल कॉलेज अभी तक नहीं मिला। लोगों को रसोई गैस की समस्या और जंगली जानवरों का भय सता रहा है। अभी तक आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखंड नहीं बना। एक दिन का विधायक बनने पर पेंशन और 35–40 साल नौकरी करने वालों की पेंशन बंद कर रहे हैं। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कांग्रेस सरकार ने प्रतापनगर को ओबीसी दिया जिससे कई युवा रोजगार पा रहे हैं। लेकिन भाजपा केंद्रीय ओबीसी का वादा पूरा नहीं कर पाई। प्रतापनगर को मसूरी की तर्ज पर विकसित किया जाना चाहिए। पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला, ओमगोपाल रावत और भीमलाल आर्य ने भी भाजपा पर सवाल उठाए।

भाजपा के कार्यकाल में उत्तराखंड में दौड़ रहा विकास का इंजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता गुरविंदर सिंह चंडोक ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में विकास का इंजन दौड़ रहा है। हर व्यक्ति तक सरकारी योजनाएं पहुंचे इसके लिए सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। जनता की उम्मीद केवल भरतीय जनता पार्टी ही है। जनता की सेवा के लिए भाजपा सदैव तत्पर रहती है।

शुक्रवार को कोटद्वार पहुंचे प्रदेश वक्ता गुरविंदर सिंह ने पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। छोटे राज्यों के आर्थिक प्रबंधन में उत्तराखंड द्वितीय स्थान पर है। राज्य का वार्षिक बजट भी एक लाख करोड़ रूपये से अधिक पहुंच चुका है।

कहा कि भाजपा जनता के बीच रहकर जनता के लिए काम करने वाली पार्टी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार प्रदेश के बेहतर भविष्य को संवारने पर लगे हुए हैं। पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड में पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। उत्तराखंड की बेहतर व्यवस्थाएं पर्यटकों को बेहतर लग रही हैं। प्रदेश सरकार यूनिफार्म सिविल कोड लेकर आई। धर्मांतरण व लव जिहाद के लिए सख्त कानून बनाया गया। महिलाओं के लिए सबसे अधिक व सबसे बेहतर योजनाएं चलाई गई। कुछ वर्षों में डेढ़ लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना से 60 लाख से अधिक लोग लाभांवित हुए। प्रधानमंत्री आवास योजना में लगभग 55 हजार गरीबों को आवास उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य हुए। युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए सरकार नकल विरोधी कानून लेकर आई। जिससे प्रदेश में नकल तंत्र की कमर टूटी है। परीक्षा पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने गंभीरता से कार्य किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कहा। इस मौके पर महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, जिला महामंत्री सुरेंद्र आर्य, विजयानंद पोखरियाल, हरि सिंह पुंडीर आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते प्रदेश प्रवक्ता गुरविंदर सिंह चंडोक

रसोई गैस सिलिंडर समाप्त... का पोस्टर देखकर भड़के उपभोक्ता, हंगामा

चमोली। रसोई गैस सिलिंडर की आपूर्ति समय से नहीं होने पर उपभोक्ताओं ने इंडेन रसोई गैस कार्यालय सिमली में हंगामा किया। उपभोक्ता जब सिलिंडर लेने के लिए कार्यालय गए तो गेट पर रसोई गैस समाप्त का पोस्टर लगा देखकर वे आक्रोशित हो गए। इसके बाद उपभोक्ताओं ने हंगामा किया और करीब एक घंटे तक कार्यालय के बाहर धरना दिया। सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी ने इस संबंध में आदेश दिए तो 20 सिलिंडर आवंटित किए गए। तब जाकर उपभोक्ता शांत हुए। शुक्रवार सुबह लगभग नौ बजे सिलिंडर के लिए उपभोक्ता सिमली स्थित इंडेन गैस के कार्यालय पहुंचे। मगर यहां गैस सिलिंडर समाप्त का पोस्टर लगा था जिसे देख वह गुस्सा गए और हंगामा किया। इसके बाद वह धरने पर बैठ गए। पूर्व व्यापार संघ उपाध्यक्ष पुष्कर सिंह रावत, संगीता देवी, पुष्पा देवी, गीता देवी आदि ने बताया कि रसोई गैस की किल्लत के कारण घरों में खाना बनाने का संकट हो गया है। बाजारों में व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति नहीं होने से प्रतिष्ठान बंद कर दिए गए हैं।

टीएचडीसी के खिलाफ मुखर हुए बंड क्षेत्र के लोग

चमोली। विष्णुगाड–पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की निर्माणदायी संस्था टीएचडीसी व कार्यदायी संस्था एचसीसी के खिलाफ बंड क्षेत्र के लोग मुखर हो गए हैं।

जनप्रतिनिधियों ने रोजगार सहित 12 सूत्री मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। चेतावनी दी यदि 15 दिन में मांगों पर कार्रवाई नहीं होती तो परियोजना के प्रभावित आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि टीएचडीसी 15 वर्ष से क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम का विद्यालय खोलने का आश्वासन दे रहा है लेकिन अभी तक धरातल पर कोई काम नहीं हुआ है। कई प्रभावित परिवारों को चारापत्ती का मुआवजा तक नहीं दिया जा रहा है। परियोजना के कारण कई क्षेत्रों की गो चरान की भूमि खत्म हो गई है। टनल निर्माण से निकलने वाला रसायनयुक्त पानी अलकनंदा नदी में डाला जा रहा है। शवदाह घाटों व उनके रास्तों पर मलबा डाला गया है इससे वहां आवाजाही में खासी दिक्कत होती है।

भारी विस्फोटों से लोगों के भवनों पर दरारें आ गई हैं और उन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। उन्होंने रोजगार में स्थानीय को प्राथमिका देने, ऋशर व अन्य मशीनों से होने वाले ध्वनि प्रदूषण से निजात दिलाने आदि की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में नगर पंचायत अध्यक्ष आरती नवानी, मठ झड़ेता की प्रधान पूजा देवी, सल्ला रैतोली की प्रधान आशा देवी, मुकेश सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य ममता देवी, सरपंच संतोष, जिला पंचायत सदस्य संतोषी, राकेश नवानी आदि शामिल रहे।

घर-घर जाकर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की हुई जांच

घर–घर जाकर महिलाओं की जांच करती स्वास्थ्य विभाग की टीम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत विभिन्न विकाखंड में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर-घर जाकर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ शिव मोहन शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि विकासखंड थलीसैण,पोखड़ा,एकेश्वर, खिर्सू के विभिन्न गांवों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा गृह भ्रमण के साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिरों व उपकेंद्रों में कुल 56 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। गर्भवती महिलाओं के साथ ही उनके परिवारजनों को गृह प्रसव के खतरों के बारे में जानकारी दी गई। गृह भ्रमण के दौरान 11 अप्रैल से अभी तक 627 गर्भवती महिलाओं की गृह भ्रमण कर मॉनिटरिंग की जा चुकी है। मॉनिटरिंग के दौरान गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच के साथ ही समय पर अल्ट्रासाउंड कराए जाने आकस्मिक स्थिति में निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा 108 का लाभ लेने व प्रसव उपरांत जच्चा बच्चा को घर तक छोड़ने हेतु 102 सेवा दी जा रही है। स्वास्थ्य परामर्श हेतु 104 टोल फ्री सेवा का लाभ प्राप्त किया जा रहा है। इसके साथ ही मातृत्व सुरक्षा को लेकर चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है।

मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि सबसे अधिक गृह प्रसव विकास खंड क्षेत्र थैलीसैंण में अतिरिक्त 03 एंबुलेंस सेवा की व्यवस्था करने के साथ ही अलर्ट मोड पर रहने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त संबंधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी व ए.एन.एम. को प्रतिदिन गर्भवती महिलाओं के नियमित फॉलोअप के लिए निर्देशित किया गया है। जनपद में विभिन्न विकास खंडों में तैनात महिला चिकित्साधिकारी, एएनएम, आशा सी.एच.ओ, व अन्य फील्ड कर्मियों द्वारा टीम बनाकर कार्य किया जा रहा है।

पैतृक गांव गवाण पहुंचे सीडीएस जनरल अनिल चौहान

बोले सीमांत गांव के लोग और सेना एक दूसरे के पूरक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः सीडीएस जनरल अनिल चौहान आज अपने पैतृक गांव गवाणा पहुंचे हैं। यह उनका गांव में पहला आगमन है। उनके आगमन को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह है। गांव के लोग बेसब्री से उनका इंतजार करते दिखे।

शुक्रवार को पैतृक गांव गवाणा पहुंचने पर सीडीएस जनरल अनिल चौहान को लोगों ने भव्य स्वागत किया। गवाणा में वह पूजन समारोह में शामिल हुए। साथ ही देवलगढ़ स्थित सिद्धपीठ राजराजेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने इससे पहले बृहस्पतिवार को माणा और हर्षिल में सेना की ओर से तैयार किए जा रहे सांस्कृतिक एवं विरासत संग्रहालय का शिलान्यास किया। इन संग्रहालयों का उद्देश्य क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करना है। सीडीएस ने कहा कि यह संग्रहालय आधुनिक और जीवंत केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां गढ़वाल की सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक परंपराएं और ऐतिहासिक विकास के साथ गढ़वाल क्षेत्र के लोगों के भारतीय सशस्त्र बलों में दिए महत्वपूर्ण योगदान को भी दर्शाया जाएगा। भारत के प्रथम गांव माणा में संग्रहालय बनाने का उद्देश्य भावी पीढ़ी के लिए शानदार विरासत को संरक्षित करना है।वहीं उत्तरकाशी के हर्षिल में भी सीडीएस ने वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत हर्षिल सांस्कृतिक एवं विरासत केंद्र का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से देश–विदेश के पर्यटकों को गंगोत्री, हर्षिल और गढ़वाल क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास की जानकारी भी मिलेगी। इसके बाद उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर कहा कि सीमांत गांव के लोग और सेना एक दूसरे के पूरक हैं। देश की सुरक्षा के साथ ही इन इलाकों के विकास के लिए दोनों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने गंगा के शीतकालीन प्रवास मुखवा गांव में पूजा की।

अपने पैतृक गांव में ग्रामीणों से मुलाकात करते सीडीएस जनरल अनिल चौहान

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

आईपीएल में आज होगा सीएसके और सनराइजर्स में मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को यहां आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर जीत के इरादे से उतरेगी। अपने शुरुआती चार मैचों में से तीन में हारने के बाद सनराइजर्स ने अपने घरेलू मैदान पर शानदार वापसी की है। पिछले मैच में उसने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इन दोनो ही गेंदबाजी ने रॉयल्य के खिलाफ चार-चार विकेट लेकर अपने को साबित किया था। इन दोनों युवा गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सनराइजर्स का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। टीम की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर आधारित है। वहीं दूसरी और रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतर रही सीएसके का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और वह अंक तालिक में काफी नीच है। रुतुराज सहित टीम के बल्लेबाज फार्म में नहीं हैं। टीम अब तक एक संजू सैमसन के शतक से एक ही मैच जीती है। सैमसन ने ही अब तक एक अर्धशतक और एक शतक लगाया है। टीम को अब तक दो जीत मिली है जिससे वह वापसी की राह पर है। टीम के पास बल्लेबाजी में युवा आयुष म्हात्रे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और दो अर्धशतक लगाये हैं। किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद के चोटिल होकर बाहर होने से सीएसके की गेंदबाजी कमजोर हुई है। ऐसे में टीम इस मैच में मुकेश कुमार को शामिल कर सकती है। दोनो के बीच अब तक कुल 22 मैच खेले गए हैं, जिनमें से 15 में सीएसके और 7 में सनराइजर्स जीती है।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबादः ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जीशान अंसारी।

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष और मुकेश चौधरी।

डी कॉक आईपीएल में तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियान प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक केवल एक पांच में से एक ही मैच में जीत मिली है। गत दिवस पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी उसे हार का सामना करना पड़ा था हालांकि इस मैच में टीम के सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे क्विंटन डी कॉक ने शानदार शतक लगया था। डी कॉक के नाम इस शतक के साथ ही एक अनौखा रिकार्ड दर्ज हो गया है। वह तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं।

मुंबई इंडियंस से पहले, उन्होंने लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली डेयरडेविल्स (जो अब दिल्ली कैपिटल्स है) के लिए भी शतक बनाए थे। उनकी यह हैट्रिक दिखाती है कि कि वह अलग-अलग आईपीएल टीमों से भी बेहतर प्रदर्शन करते आये हैं।

इसके अलावा डी कॉक आईपीएल में बतौर विकेटकीपर भी तीन शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बने हैं। ये उपलब्धि उन्हें लीग के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक बनाती है। डी कॉक से संजू सैमसन ने ये रिकार्ड बनाया था। सैमसन ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सत्र में जबकि इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए भी शतक लगाये थे। वहीं, केएल राहुल आईपीएल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए शतक लगाये हैं।

आईपीएल के बाहर भी डी कॉक ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ लगाया गया यह शतक उनके टी20 करियर का नौवां शतक था, जिसके साथ ही वह विराट कोहली के शतकों की बराबरी पर आ गये हैं। डी कॉक अब टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में उनसे ऊपर क्रिस गेल 22 शतक, बाबर आजम 11 शतक और डेविड वॉर्नर 10 शतक हैं।

मुम्बई इंडियंस को हराकर पंजाब किंग्स अंक तालिका में शीर्ष पर

मुंबई (एजेंसी)। प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 80) और श्रेयस अय्यर (66) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत पंजाब किंग्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 24वें मुकाबले में मुम्बई इंडियंस को 21 गेंदें शेष रहते सात विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही पंजाब किंग्स अंक तालिका में नौ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है।

197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं हुई उसने तीसरे ही ओवर में प्रियांश आर्य (15) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद कूपर कॉनली भी (17) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। दोनों बल्लेबाजों को ए एम गजनफर ने आउट किया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने प्रभसिमरन सिंह के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट लिये 139 रन जोड़े। 16वें ओवर शार्दुल ठाकुर ने श्रेयस अय्यर को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। श्रेयस अय्यर ने 35 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 66 रनों की पारी खेली। पंजाब किंग्स ने 16~3 ओवरों में तीन विकेट पर 198 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए नाबाद 80 रनों की पारी खेली। मार्कस स्टॉयनिस 10 रन बनाकर नाबाद रहे। मुम्बई इंडियंस की यह पांच मैचों में लगातार चौथी हार है।

आज यहां इससे पहले क्विंटन डी कॉक (नाबाद 112) और नमन धीर (50) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर मुम्बई इंडियंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ छह विकेट पर 195 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। मुम्बई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे अर्शदीप सिंह ने तीसरे ही ओवर में रायन रिकलटन (दो) और सूर्यकुमार यादव (शून्य) के रूप में दोहरे झटके दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये नमन धीर ने क्विंटन डी कॉक के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 122 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में शशांक सिंह ने नमन धीर को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। नमन धीर ने 31 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए 50 रनों की पारी खेली। चौथे विकेट के रूप में हार्दिक पंड्या (14) एक बेहतरीन कैच पर लपके गये। उन्हें मार्को यानसन ने आउट किया। 19वें ओवर की पांचवी गेंद पर अर्शदीप सिंह ने शरफ़ेन रदरफ़ोर्ड (एक) को बोल्ड कर पंजाब को पांचवीं सफलता दिलाई। तिलक वर्मा (आठ) रन आउट हुये।

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी आरसीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरू (ईएमएस)। यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है और उसने पांच में से अपने चार मैच जीते हैं। जिससे वह अंक तालिका में दूसरे स्थान है। ऐसे में वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित सभी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

इस सत्र में वह केवल एक मैच राजस्थान रॉयल्स से हार है। अब वह इस मैच को जीतकर अपने प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी संभावनाएं और मजबूत करने उतरेगी।

वहीं अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है। चार मैचों में दो जीत के साथ ही वह पांचवें स्थान पर है। उसे गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। टीम में निरंतरता की कमी है। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी आरसीबी से कमजोर है। ऐसे में उसे अगर ये मैच जीतना है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीम की बल्लेबाजी केएल राहुल पर निर्भर करती है जबकि गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी संभालेंगे।

आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक कुल 33 मैच हुए हैं। इसमें से आरसीबी को 20 बार जबकि दिल्ली कैपिटल्स को 12 बार जीत मिली है वहीं एक मैच को परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

आरसीबी : रजत पाटीदार (कप्तान), फिल साल्ट, विराट कोहली, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर~देवदत्त पडिक्कल

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), पाथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, औकिब नबी डार, विप्रज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार

इम्पैक्ट प्लेयर~समीर रिजवी

25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं कमिंस

मुम्बई। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस अपनी चोट से उबर गये हैं और आईपीएल में अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद से शीघ्र ही खेलते दिख सकते हैं। कमिंस के 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से इस सत्र में वापसी की उम्मीद है। कमिंस के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशान सनराइजर्स की मुश्किलें समाप्त हो जाएंगी। कमिंस के नहीं होने से अभी टीम ईशान किशन की कप्तानी में खेल रही है। कमिंस अगर वापसी करने में सफल रहते है तो टीम के जीतने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। कमिंस की वापसी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक बड़ी राहत है, जो उन्हें प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ने और संभावित रूप से खिताब की ओर बढ़ने में मदद कर सकती है।

नोवाक जोकोविच चोट के कारण मैड्रिड ओपन से हटे

मैड्रिड। विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने लंबे समय से चली आ रही चोट के कारण मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया है। जोकोविच ने इंडियन वेल्स में आयोजित बीएनपी परीबस ओपन के बाद से कोई प्रतियोगिता नहीं खेली है। वह दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन से बाहर रहे थे और मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया। जोकोविच ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'दुर्भाग्यवश, मैं इस साल मैड्रिड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। मैं जल्द वापसी के लिए अपनी रिकवरी जारी रखे हुए हूं। हस्ता प्रोंतो (जल्द ही फिर मिलेंगे)।' जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रह चुके हैं। टूर्नामेंट की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'हम उम्मीद करते हैं कि आप जल्द ही यहां वापसी करेंगे, ताकि हम काजा मागिका (मैंड्रिड ओपन की मेजबानी करने वाले स्टेडियम) में एक बार फिर आपके खेल का आनंद ले सकें। जैसा कि हमने पहले कई बार किया है।'

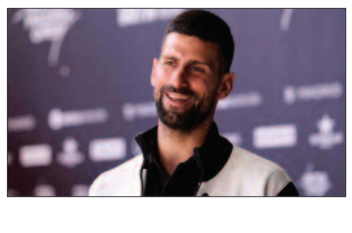

मनोज तिवारी ने कहा हार्दिक की जगह पर रोहित को फिर कप्तान बनाये मुम्बई इंडियंस

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर और बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मनोज तिवारी ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लगातार खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि उन्हें कप्तानी स्वयं छोड़ देनी चाहिये जिससे एक बार फिर रोहित शर्मा को कप्तानी दी जा सके। आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। ऐसे में तिवारी का मानना है कि पांड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए जिससे रोहित को एक बार फिर टीम की कमान दी जा सके। रोहित की कप्तानी मे टीम ने पांच बार खितब जीता है। वहीं जब से उन्हें कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी गयी है टीम लगातार हारी है। इस सत्र में भी खराब प्रदर्शन के कारण मुंबई अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गयी है। इन चार हार में से तीन मैचों में हार्दिक ने कप्तानी की है, जबकि एक मैच में सूर्यकुमार यादव कप्तान थे। टीम के इस खराब प्रदर्शन और हार्दिक की कप्तानी के लिए मनोज तिवारी ने उनकी आलोचना भी की है। इस पूर्व क्रिकेटर ने हार्दिक की कप्तानी को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 2022 तक पाँच आईपीएल ट्रॉफी जीती थीं, जबकि हार्दिक पांड्या ने गुजरात टाइटन्स के साथ 2023 और 2024 में कोई ट्रॉफी नहीं जीती, और इस साल भी ऐसा होने की संभावना कम ही है। तिवारी ने जोर देते हुए कहा कि कप्तान के तौर पर जितना सजग और सक्रिय होना चाहिये वैसे हार्दिक नहीं हैं। गौरतलब है कि हार्दिक आईपीएल 2021 तक मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे पर साल 2022 में दो नई टीमों के आने के बाद उन्हें गुजरात टाइटन्स का कप्तान बना दिया गया था पर दो साल बाद ही वह वापस मुम्बई पहुंच गये।

'यही चीज आखिरकार टीम को जीत दिलाती है', रिकी पोंटिंग ने खोला पंजाब किंग्स की सफलता का राज

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस पर अपनी टीम की 7 विकेट की शानदार जीत के बाद जीतने वाली सोच बनाने के पीछे के मुख्य कारणों का खुलासा किया। PBKS ने IPL 2026 सीजन में अपनी चौथी जीत दर्ज की। वे एकमात्र ऐसी टीम हैं जिसे अभी तक कोई हरा नहीं पाया है। पांच मैचों में से उन्होंने चार जीते हैं, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

जियो हॉटस्टार पर बात करते हुए पोंटिंग ने कहा कि एक जीतने वाली टीम बनाने की शुरुआत एक ऐसा माहौल बनाने से होती है जहां खिलाड़ियों को लगे कि उनकी कद्र हो रही है और वे टीम के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक कोच के तौर पर उनकी भूमिका खिलाड़ियों को नियंत्रित करने के बजाय उनका मार्गदर्शन करना और उन्हें चुनौती देना है, और असफलता को खेल का ही एक हिस्सा मानना है।

उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, इसकी शुरुआत एक सही माहौल बनाने से होती है जहां हर खिलाड़ी को लगे कि उसकी कद्र हो रही है और वे सभी एक ही सोच रखते हैं। एक कोच के तौर पर मैं वहां उनका समर्थन करने और उन्हें चुनौती देने के लिए हूं, न कि उन्हें नियंत्रित करने के लिए। यहां तक कि जब वे असफल होते हैं, तो उन्हें यह पता होना चाहिए कि यह खेल का ही एक हिस्सा है।'

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने आगे कहा कि ज्ञ20 क्रिकेट में सफलता कुछ खिलाड़ियों के आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने पर निर्भर करती है, इसलिए खिलाड़ियों की भूमिकाएं साफ तौर पर तय होना और टीम का सही कल्चर होना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह जैसे खिलाड़ियों का समर्थन करने से उन्हें शानदार प्रदर्शन करने में मदद मिली है, जिससे बदले में टीम को भी सफलता मिली है।

उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट में किसी भी दिन आपको बस कुछ ही खिलाड़ियों की जरूरत होती है जो आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभालें। इसलिए यह एक मजबूत टीम बनाने के बारे में है, जिसमें हर खिलाड़ी की भूमिका साफ तौर पर तय हो। हमारी नीलामी की रणनीति का भी यह एक बड़ा हिस्सा था - सही लोगों को टीम में लाना ताकि टीम का माहौल (culture) सही बन सके। जब खिलाड़ियों को लगता है कि टीम उनके साथ खड़ी है - जैसे कि प्रभसिमरन या शशांक जैसे खिलाड़ी - तो वे अपने प्रदर्शन से इसका जवाब देते हैं और यही चीज आखिरकार टीम को जीत दिलाती है।'

टी20 विश्व कप में कनाडा–न्यूजीलैंड मैच में फिक्सिंग के आरोपों की जांच कर रही आईसीसी

दुबई। भारत और श्रीलंका में हुए आईपीसी टी20 विश्वकप के एक मुकाबले में मैच फिक्सिंग के संदेह के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसी) की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कनाडाई क्रिकेट टीम के कप्तान पर भी आरोप है। इसमें टी20 विश्व कप के दौरान कनाडा के एक मैच में कथित तौर पर मैच फिक्सिंग का दावा किया गया है। इन सनसनीखेज खुलासों का आधार एक डॉक्यूमेंटी को बनाया गया है जो हाल ही में प्रसारित हुई थी। इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसके भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई बड़े आरोप लगाए गए हैं। एसीयू अभी दो सक्रिय मामलों की जांच कर रही है जो क्रिकेट कनाडा के कामकाज और अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू स्तर पर आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन से जुड़े हैं। मैच फिक्सिंग का सबसे बड़ा आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए विश्व कप मैच से जुड़ा है। इससे न्यूजीलैंड की पारी के पांचवे ओवर पर संदेह जताया गया है। तब कनाडाई कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी कर रहे थे। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही कप्तान बनाया गया था। ऑफ–स्पिनर होने के बाद भी वह समय समय गेंदबाजी करने आये जब तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी संभालनी पड़ी। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 35 रन था पर इस ओवर में उन्होंने कुल 15 रन दिए, जिससे उनकी भूमिका पर संदेह गहरा गया है। दूसरी जांच पूर्व कोच खुर्रम चौहान की एक टेलीफोन कॉल रिकॉर्डिंग से संबंधित है। इस रिकॉर्डिंग में चौहान दावा कर रहे हैं कि क्रिकेट कनाडा बोर्ड के वरिष्ठ सदस्यों ने उन पर कुछ खास खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चुनने के लिए दबाव डाला था। यह ऑडियो पिछले साल लीक हुआ था और तभी से जांच के घेरे में है। रिकॉर्डिंग में मैचों को फिक्स करने की कोशिशों के भी दावे हैं, हालांकि इनके लिए पक्के सबूत अभी नहीं मिले है।

चोट के कारण एकिटिके बाकी सीजन और फुटबॉल विश्वकप से बाहर

लंदन। फ्रांस के स्ट्राइकर ह्यूगो एकिटिके, लिवरपूल के चैंपियंस लीग मैच में पेरिस सेंट–जर्मेन से हार के दौरान एच्लीस टेंडन में चोट लगने के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। एकिटिके पहले हाफ में फिसलने के बाद एनफील्ड के मैदान से स्ट्रेचर पर बाहर निकले। लिवरपूल को डर है कि 23 साल का यह खिलाड़ी लंबे समय तक खेल से बाहर रह सकता है, जिससे वह अगले सीज़न की शुरुआत में भी नहीं खेल पाएगा। बुधवार को उनका स्कैन हुआ, जिसमें गंभीर चोट की पुष्टि हुई हे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को जारी एक बयान में लिवरपूल ने उनके ठीक होने की कोई समय–सीमा नहीं बताई। क्लब ने कहा, 'चोट के स्कैन से बाद में एच्लीस टेंडन फटने की पुष्टि हुई है। इसलिए, एकिटिके क्लब सीजन के बाकी हफ्तो के लिए खेल से बाहर रहेंगे और इस गर्मी में फ्रांस के साथ होने वाले वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इस बारे में आगे की जानकारी सही समय पर दी जाएगी।' बुधवार रात, फ्रांस के मैनेजर डिडिएर डेसचैम्प्स ने फ्रेंच फुटबॉल फेडरेशन द्वारा जारी एक बयान में कहा कि एकिटिके अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले इस गर्मी के टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा- 'ह्यूगो उन दर्जन भर युवा खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने हाल के महीनों में राष्ट्रीय टीम के साथ अपना डेब्यू किया है। वह मैदान के अंदर और बाहर, दोनों जगह टीम के साथ पूरी तरह से घुल–मिल गए थे। यह चोट बेशक उनके लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन फ्रांस की टीम के लिए भी यह एक बड़ा झटका है।'

श्रेयस अय्यर ने हवा में उड़कर पकड़ा नामुमकिन सा कैच, रोहित और सूर्या रह गए दंग, रिएक्शन वीडियो हुआ वायरल

मुंबई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर ने बाउंड्री लाइन पर शानदार फील्डिंग करते हुए रिले कैच पूरा कराया, जिससे हार्दिक पांड्या आउट हुए। इसे देखकर रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव हैरान रह गए।

आईपीएल में बाउंड्री लाइन पर रिले कैच हमेशा से फैंस के लिए खास आकर्षण रहे हैं और आईपीएल 2026 के 24वें मुकाबले में भी ऐसा ही शानदार नजारा देखने को मिला। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले जा रहे मैच में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपनी फुर्ती और सूझबूझ से एक बेहतरीन रिले कैच पूरा कर सभी को हैरान कर दिया। बाउंड्री के पास संतुलन बिगड़ने के बावजूद उन्होंने गेंद को साथी खिलाड़ी की ओर उछालकर विकेट हासिल कराया, जो इस मैच का यादगार पल बन गया।

बाउंड्री लाइन पर श्रेयस अय्यर का शानदार कमाल

यह शानदार कैच उस समय देखने को मिला जब मार्को यानसेन की गेंद पर हार्दिक पांड्या ने सामने की ओर बड़ा शॉट खेला। लॉन्ग ऑन पर खड़े श्रेयस अय्यर ने दौड़ते हुए गेंद को लपका, लेकिन उनका संतुलन बिगड़ गया और वह बाउंड्री लाइन के बाहर जाने लगे। ऐसे में उन्होंने शानदार समझदारी दिखाते हुए हवा में ही गेंद को मार्को यानसेन की ओर उछाल दिया। यानसेन ने बिना कोई गलती किए कैच पूरा कर लिया और हार्दिक पांड्या की पारी का अंत कर दिया। यह रिले कैच फील्डिंग के बेहतरीन उदाहरणों में से एक माना जा रहा है।

रोहित और सूर्यकुमार का रिएक्शन हुआ वायरल

श्रेयस अय्यर का यह कमाल मुंबई इंडियंस के डगआउट के सामने ही हुआ, जहां रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव बैठे हुए थे। इस शानदार फील्डिंग को देखकर दोनों खिलाड़ी हैरान रह गए। सूर्यकुमार यादव का मुंह खुला रह गया, जबकि रोहित शर्मा आश्चर्य से उनकी ओर देखते नजर आए। इसके बाद अय्यर ने दर्शकों की तरफ इशारा करते हुए इस विकेट का जश्न मनाया, जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो गया और फैंस भी इस पल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

डी कॉक का शतक और मुंबई का मजबूत स्कोर

अगर मैच की बात करें तो मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 195 रन बनाए। टीम की ओर से क्विंटन डी कॉक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 112 रन की पारी खेली। उन्होंने 60 गेंदों पर 186 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और अपनी पारी में 8 चौके व 7 छक्के लगाए। उनके अलावा नमन धीर ने भी 31 गेंदों में 50 रन की अहम पारी खेली। पंजाब किंग्स की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 3 विकेट झटके और इस दौरान अपने 100 आईपीएल विकेट भी पूरे किए।

स्टटगार्ट ओपन 2026 : रयबाकिना और गॉफ क्वार्टरफाइनल में, मुचोवा भी आगे बढ़ीं

स्टटगार्ट। जर्मनी में खेले जा रहे स्टटगार्ट ओपन 2026 में शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। शीर्ष वरीय कजाखिस्तान की एलेना रयबाकिना ने रूस की डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में 6–2, 6–4 से हराया। 26 वर्षीय रयबाकिना ने अपने मजबूत सर्विस गेम के दम पर 1 घंटे 12 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। दूसरे सेट में श्नाइडर ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन अहम मौकों पर की गई डबल फॉल्ट्स ने उन्हें पीछे कर दिया, जिसका फायदा रयबाकिना ने उठाया। उन्होंने मैच का अंत अपने नौवें ऐस के साथ किया। अब क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला लेयला फर्नांडीज या जेनेप सोनमेज में से किसी एक से होगा। दूसरी ओर, दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अमेरिका की कोको गॉफ ने ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7–5, 6–1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। गॉफ ने कहा कि उन्होंने क्ले कोर्ट पर अपने खेल को 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन राफेल नडाल से प्रेरित किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'क्ले कोर्ट के सबसे महान खिलाड़ी राफा हैं। मैं पूरी तरह उनकी तरह नहीं खेलती, लेकिन उनकी तरह फोरहैंड मारने की कोशिश करती हूं।' इससे पहले, कैरोलिना मुचोवा ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए एलिस मर्टेंस को 1–6, 6–3, 6–0 से हराया और क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।